आषाढ़ कृष्ण पक्ष सप्तमी संवत् 2082 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-08, अंक-351 पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
18 जून 2025 बुधवार

आज का मौसम
39 अधिकतम
28 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page- 7

भारत में दुनिया सबसे बड़े अनाज भंडारण का सपना चकनाचूर

प्रसंगवश
राजेश सिरोठिया

नए गोदामों पर केंद्र की पाबंदी, सब्सिडी रोकी, मौजूदा गोदाम संचालकों की हालत पतली

अनाज भंडारण के लिए भारत सरकार की लोकलुभावन अनाज गोदाम संग्रहण योजना को खुद केंद्रीय कृषि मंत्रालय ने पलीता लगा दिया है। भारत को दुनिया के सबसे बड़े अनाज भंडारण देश बनाने का प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का सपना दो साल में ही चकनाचूर हो गया है। केंद्रीय कृषि मंत्रालय ने हाल ही में फंड की कमी के चलते नाबार्ड में लंबित गोदामों की सब्सिडी के भुगतान पर रोक लगा दी है। यही नहीं आगे भविष्य में नए वेयरहाउस बनाने वालों को सब्सिडी देने के मसले पर भी सवालिया निशान लग गए हैं।

यह सब एक किसान नेता और खुद खेती किसानी से जुड़े शिवराज सिंह चौहान के कृषि कल्याण मंत्री के रहते हुए हुआ है। हालत यह है हैं कि गोदाम संचालक या तो कर्ज लेकर या दूसरी जायदाद बेचकर बैंकों का कर्ज चुकाने को विवश हो गए हैं या फिर उनके गोदामों को बैंकों ने कुर्क करने की तैयारी कर ली है। बीमा नियामक प्राधिकरण ने गोदाम में रखे अनाज के बीमा राशि पर मिलने वाली छूट खत्म कर दी है जिससे 28 हजार सालाना की किश्त डेढ़ लाख रूपए से ज्यादा जा पहुंची है। उधर नाबार्ड ने सब्सिडी के भुगतान पर रोक लगाई है तो दूसरी तरफ गोदामों का किराया कई महीनों का बाकी है और कर्ज की राशि पर लगने वाले ब्याज की दर में तीन फीसदी का भुगतान भी डेढ़ साल से ज्यादा वक्त से नहीं मिला है। उधर कर्जदार गोदाम संचालकों पर बैंकों पर छह महीने तक कर्ज नहीं चुकाने पर उन्हें एनपीए घोषित करके कुर्की की कार्रवाई शुरू कर दी है। सबसे विडम्बना पूर्ण पहलू तो यह है कि यह सब उस सरकार के राज में हो रहा है जो खुद को कृषि और किसान हितैषी होने का दावा करती है।

गोदाम संचालकों को एसोसिएसनों ने कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान से मिलकर अपनी व्यथा सुनाई थी। उन्होंने खुद उनकी वाजिब मांगों से सहमति जताते हुए उन पर गौर फरमाने की बात कही थी। लेकिन सरकार के फैसले इससे उलट साबितए हुए हैं। मौजूदा गोदाम संचालकों की समस्याएं उल्टे बढ़ती जा रही हैं। सरकार की नीतियों के चलते अब किसान और गोदाम बनाने का सपना पालने वाले अपने इरादों से तौबा कर रहे हैं। गौरतलब तो यह है कि जब मोदी ने वर्ष 2023 में भारत को दुनिया का सबसे ज्यादा अनाज भंडारण का ऐलान किया था। लेकिन सहकार से समृद्धि का नारा मीलों पीछे छूटता दिख रहा है। केंद्रीय कृषि मंत्रालय ने 2019 में शुरू की गई नई गोदाम निर्माण योजना के संदर्भ में 10 जून 2025 को आदेश जारी करते हुए नाबार्ड को निर्देश दिए हैं कि वह नई गोदामों के प्रोजेक्ट को मंजूरी कतई न दें। आदेश में कहा गया है कि पुरानी बकाया सब्सिडी के भुगतान पर भी बजट खत्म होने के चलते रोक लगा दी है। नाबार्ड के कहा गया है कि वह नए प्रोजेक्ट में बजट आने तक सब्सिडी देने के प्रस्तावों को कतई मंजूरी नहीं दें।

गौरतलब है कि भारत के पास दुनिया के कुल कृषि योग्य क्षेत्रफल (138 करोड़ हेक्टेयर) का 11 फीसदी (16 करोड़ हेक्टेयर) और कुल विश्व जनसंख्या (790 करोड़) का 18 प्रतिशत (140 करोड़) है। इसका मतलब है कि दुनिया की 18 फीसदी आबादी की खाद्य आवश्यकता को पूरा करने के लिए भारत के पास केवल 11प्रतिशत कृषि योग्य भूमि बची है जो खेती की जमीनों को आवासीय घोषित करने के राज्य सरकारों के फैसलों के तहत लगातार कम हो रही है। यह सांख्यिकीय डेटा 2021 पर आधारित है। भारत में कुल खाद्यान्न उत्पादन 311 मिलियन मीट्रिक टन है। भारत में कुल भंडारण क्षमता केवल 145 मिलियन मीट्रिक टन है। यानि 166 मिलियन मीट्रिक टन भंडारण क्षमता की कमी है। अन्य देशों में 131 प्रतिशत तक बचे हुए अनाज को भंडारण की क्षमता है, जबकि भारत में 47 प्रतिशत की कमी है। सबसे ज्यादा खराब हालात बंगाल के हैं।

कुल मिलाकर देखें तो केंद्र और राज्य सरकार अपनी आर्थिक हालात को लेकर कितने ही बढ़चढ़कर दावे करें लेकिने कृषि और अनाज के मामले में किसान हितैषी का दावा जमीनी हकीकत से कोसों दूर हैं। मोदी ने कृषि और उससे जुड़े मुद्दों पर आर्थिक विकास के लिए उनकी क्षमता का दोहन करने और उन्हें 'सहकार-से-समृद्धि' का नारा दिया था। इसको लागू करने के लिए सहकारिता मंत्री के नेतृत्व में 2023 में एक अंतर-मंत्रालयीन समिति का गठन किया। 24 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में यह सपना मीलों पीछे छूट गया है। हर साल दस फीसदी से ज्यादा अनाज हर साल सड़ रहा है।

मानसून एक्सप्रेस तेज..आज मप्र के 19 जिले भीगेंगे

भोपाल। मध्यप्रदेश के इंदौर समेत 19 जिलों में मानसून की एंट्री के बाद अब इसके भोपाल पहुंचने का इंतजार है। यह आज देर शाम तक या कल भोपाल, उज्जैन-जबलपुर में भी पहुंच सकता है। इसी बीच गुजरात-राजस्थान से सटे मप्र के 5 जिलों में आज को हैवी यानी, भारी बारिश का अलर्ट है। इनमें मालवा-निमाड़ (इंदौर-उज्जैन संभाग) के धार, झाबुआ, रतलाम, नीमच और मंदसौर शामिल हैं। वर्तमान में आंधी और बारिश के 4 सिस्टम एक्टिव है। मौसम विभाग ने भोपाल, इंदौर, उज्जैन, ग्वालियर, जबलपुर समेत पूरे प्रदेश में बारिश, तेज आंधी और गरज-चमक वाला मौसम रहेगा। उधर सिंगरौली में आकाशीय बिजली गिरने से दो बच्चियों की मौत हो गई।

राष्ट्रपति का इंदौर-बड़वानी दौरा रद्द

भोपाल। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का मप्र का 18 और 19 जून का दौरा रद्द हो गया है, वे इंदौर व बडवानी में कार्यक्रम में शिरकत करने वाली थीं। हालांकि अभी इसका कारण स्पष्ट नहीं हुआ है। माना जाता है कि मानसूनी गतिविधियों के मद्देनजर दौरा कैंसिल किया गया है। बड़वानी के ग्राम तलेन में 19 जून को होने वाले कार्यक्रम में राज्यपाल मंगूभाई पटेल , मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव शामिल होंगे। यहां राष्ट्रपति के आगमन की तैयारियां पूरी कर ली गई थी।

देवर को देख छत से कूदकर भागी भाभी

बागपत। उप्र के बागपत में एक होटल उस समय हड़कंप मच गया जब एक महिला अपने देवर को देखकर छत से कूद गई। दरअसल, महिला किसी अन्य युवक के साथ होटल के कमरे में थी। जैसे ही देवर वहां पहुंचा, भाभी घबरा गई और सीधे छत पर चढ़ गई। उसने वहां से नीचे छलांग लगा दी और मौके से फरार हो गई। इस पूरी घटना का किसी ने वीडियो बना लिया और सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया।

कार में जिंदा जले परिवार के 5 लोग एक महिला बची

बुलंदशहर। आज उप्र के बुलंदशहर में सड़क हादसे में परिवार के 5 लोगों की कार में जलकर मौत हो गई। यह तेज रफ्तार स्विफ्ट कार पुलिया तोड़ते हुए सड़क किनारे पांच फीट नीचे गिर गई और कार में भीषण आग लग गई। कार में बैठे 6 में से 5 लोग जिंदा जल गए। कार सवार केवल एक महिला ही बच पाई। लोगो ने मौके पर पहुंचकर कार का शीशा तोड़कर महिला को बाहर निकाला। तब तक आग ने विकराल रूप ले लिया था, जिससे अन्य लोगों को नहीं बचा पाए। मृतकों में पति-पत्नी व उनका बेटा शामिल हैं।

सीएम यादव ने पर्यटन उत्सव की शुरूआत की, सरपंच व अफसर पुरस्कृत

पर्यटन में ग्रामीण रंग गाढ़े होंगे होम-स्टे बढ़े, नए एमओयू भी

भोपाल दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश में ग्रामीण पर्यटन को प्रोत्साहित करने और पर्यटन के जरिए स्वरोजगार व आर्थिक उन्नति के द्वार खोलने के मकसद से 'ग्रामीण रंग, पर्यटन संग' उत्सव की मप्र में शुरूआत हुई है। सीएम मोहन यादव ने कुशाभाऊ ठाकरे अंतर्राष्ट्रीय कन्वेंशन सेंटर में इस राज्य स्तरीय उत्सव की शुरूआत की। इस मौके पर पर्यटकों की सुविधा के लिए प्रदेश की रिस्पॉन्सिबल टूरिज्म मिशन वेबसाइट की ई-लॉन्चिंग भी लांच की गई। उत्सव में सर्वश्रेष्ठ 6 होम स्टे (3 ग्रामीण, 3 नगरीय) को विशेष पुरस्कार दिए के तहत 16 पर्यटन गांवों के सरपंचों, 8 परियोजना सहयोगी संस्थाओं और 10 जिला कलेक्टर्स का भी सम्मान किया गया। इसके अतिरिक्त, 14 नवीन होम स्टे का उद्घाटन किया गया व 60 पर्यटन गांवों के होम स्टे मालिकों को किट वितरित की जाएगी। कार्यक्रम में सीएम यादव ने पर्यटन क्षेत्र में तेजी से बढते मप्र के प्रति पर्यटकों के आकर्षण व इस दिशा में सरकार के नवाचारों का जिक्र किया।

इस उत्सव की शुरूआत के साथ ही चार एमओयू भी हुए। यह ग्रामीण पर्यटन को बढ़ावा देने, आजीविका के अवसर सृजित करने, महिलाओं और वंचित वर्गों को सशक्त बनाने, होम स्टे क्लस्टर और पर्यटक गांवों में पर्यटन अधोसंरचना में सुधार के उद्देश्य से पर्यटन बोर्ड (एमपीटीबी) और दिव्य योग मंदिर ट्रस्ट (पतंजलि) के बीच हुए। जबकि 61 पर्यटक गांवों में ऊर्जा दक्ष एलईडी या सौर चलित स्ट्रीट लाइट्स की स्थापना के लिए एमपीटीबी और सिग्निफाई इनोवेशंस इंडिया लिमिटेड के बीच एमओयू हुआ। पर्यटन, फिल्म निर्माण और कौशल विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से टूरिज्म बोर्ड और स्कोप ग्लोबल स्किल्स यूनिवर्सिटी के बीच एमओयू हुआ।

प्रमुख सचिव शिवशेखर शुक्ला ने बताया कि मध्यप्रदेश की समृद्ध संस्कृति, विरासत, तीज-त्योहार, पर्व और स्वादिष्ट खान-पान का अनुभव ग्रामीण क्षेत्रों में सबसे करीब से देखने को मिलता है। एक दिवसीय प्रदर्शनी भी लगी है जिसमें विभिन्न जिलों के प्रतिभागी और संस्थाएं आर्ट एंड क्राफ्ट के उत्कृष्ट उत्पादों जैसे क्लेआर्ट, माड़ना, चितेरा, बैम्बू शिल्प, हैंड ब्लॉक, गोंड पेंटिंग, हैंडलूम एवं हैंडीक्राफ्ट टैक्सटाइल्स आदि का प्रदर्शन कर रहे हैं।

दर्जनों अमेरिकी विमान खाड़ी की तरफ रवाना

हाइपरसोनिक मिसाइलों से ईरान ने कहर बरपाया

तेलअवीव एजेंसी

ईरान और इजरायल के बीच जंग भीषण हो चली है। इजरायल की राजधानी तेल अवीव पर ईरान ने हाइपरसोनिक मिसाइलों से हमला कर कहर बरपा दिया है। ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स ने आज कहा कि इजरायल पर नवीनतम हमले के दौरान हाइपरसोनिक मिसाइलों का इस्तेमाल किया गया। इधर इजरायल वायु सेना ने तेहरान में फिर से कई क्षेत्रों को निशाना बनाया। इस बीच खबर है कि कम से कम 30 अमेरिकी सैन्य विमानों को यूरोप भेजा गया है। ये सभी अमेरिकी सैन्य टैंकर विमान हैं जिनका इस्तेमाल लड़ाकू विमानों और बमवर्षकों को ईंधन भरने के लिए किया जाता है। भूमध्य सागर में अमेरिकी सैन्य गतिविधियां भी अचानक काफी तेज हो चुकी हैं, संकेत हैं कि वाशिंगटन, ईरान पर हमलों में इजरायल के साथ कभी भी शामिल हो सकता है। राष्ट्रपति ट्रंप कल ही तेहरान के लोगों को फौरन राजधानी छोड़ने की चेतावनी दे चुके हैं। अब कभी भी अमेरिका अब सीधे तौर पर इजरायल के साथ ईरान के खिलाफ युद्ध में उतर सकता है।

युध्द में कूद सकता है अमेरिका, ईरान भी इजरायल पर आक्रामक हुआ

दरअसल इन कट्टर दुश्मनों के बीच एक दूसरे पर हमले तेज तबसे और हो गये हैं जब से युद्ध को लेकर अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप के लगातार बयान आ रहे हैं। ट्रंप ने ईरान से बिना शर्त सरेंडर करने कहा तथा लिखा कि हम नहीं चाहते हैं कि मिसाइलों से नागरिकों पर हमला किया जाए और अमेरिकी सैनिकों को निशाना बनाया जाए. हमारा धैर्य जवाब दे रहा है। हमें मालूम है खोमनेई कहां छिपा है।

मेट्रो एंकर अहमदाबाद प्लेन क्रैश मामले की जांच के बीच नया पहलू

एयर इंडिया बोइंग पर आफत, लापरवाही मिली तो हर्जाना

नई दिल्ली एजेंसी

अंतर्राष्ट्रीय कानून के तहत एयर इंडिया या बोइंग पर भारी जुर्माना लग सकता है,बशर्ते वह वे कानून के तहत दोषी पाए जाएं। उन पर 'अनलिमिटेड' यानी असीमित जुर्माना लग सकता है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक एयर इंडिया के पास 1.5 अरब डॉलर का बीमा है। यह बीमा लंदन के बाजार के माध्यम से फिर से कराया गया है। एक्सपर्ट का कहना है कि अगर कोई लापरवाही साबित होती है, तो क्लेम की रकम बीमा की सीमा से भी अधिक हो सकती है। दरअसल 12 जून को अहमदाबाद में एयर इंडिया का बोइंग 787 विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। इस हादसे में विमान में सवार 12 क्रू सदस्यों सहित 241 लोगों की जान चली गई थी। इसके अलावा जमीन पर मौजूद 33 लोग भी मारे गए थे।

हालांकि एयर इंडिया ने मृतकों के परिवारों को 1 करोड़ रुपये की मुआवजा राशि देने की घोषणा की है। मगर मॉन्ट्रियल कन्वेंशन के अनुसार एयरलाइन को ही जिम्मेदार माना जाएगा। उसे दुर्घटना में हुई मौत या गंभीर चोट के लिए कम से कम

151,800 स्पेशल ड्राइंग राइट्स का मुआवजा देना होगा। एसडीआर एक तरह की मुद्रा है जिसे अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष ने बनाया है। अभी एक एसडीआर की कीमत करीब 120 रुपये है। इस हिसाब से, प्रति व्यक्ति मुआवजे की राशि 1.82 करोड़ रुपये तक हो सकती है। एयरलाइन को यह मुआवजा देना ही होगा, चाहे उसकी कोई गलती हो या न हो। अगर लापरवाही साबित होती है, तो इससे ज्यादा मुआवजा भी मांगा जा सकता है। विशेषज्ञों का कहना है कि मुआवजे की राशि पीड़ितों की राष्ट्रीयता और आय के आधार पर अलग-अलग हो सकती है। यूके स्थित कीस्टोन लॉ के अंतरराष्ट्रीय विमानन कानूनी टीम के विमानन विशेषज्ञ जेम्स हीली-प्रैट ने कहा कि अगर बोइंग 787 में कोई खराबी पाई जाती है, तो बोइंग पर अमेरिका और इंग्लैंड की अदालतों में असीमित देनदारी आ सकती है।

बोइंग को क्लीन चिट

नागर विमानन महानिदेशालय ने बोइंग 787 विमानों को क्लीन चिट दे दी है। लेकिन, डीजीसीए ने एयर इंडिया में रखरखाव को लेकर कुछ चिंताएं जताई हैं। बताया जाता है कि पीड़ितों के परिवार अपने देश में भी दावा कर सकते हैं। यूके की अदालतें भविष्य में होने वाली कमाई और व्यक्तिगत परिस्थितियों को ध्यान में रखेंगी। विमान में 181 भारतीय, 53 ब्रिटिश, सात पुर्तगाली और एक कनाडाई नागरिक सवार थे। बताया जाता है कि कानूनी प्रक्रिया काफी जटिल और लंबी हो सकती है। अगर बोइंग 787 विमान में कोई खराबी पाई जाती है, तो बोइंग पर भी असीमित देनदारी आ सकती है।

ऑपरेशन सिंदूर पर हुई बात

सीजफायर के बाद ट्रंप संग पीएम मोदी की लंबी चर्चा

नई दिल्ली। कनाडा में जी7 शिखर सम्मेलन के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच फोन पर 35 मिनट तक बातचीत हुई है। ताजा घटनाक्रमों के मद्देनजर इसे महत्वपूर्ण माना जा रहा है। खबरों के मुताबिक इस दौरान दोनों के बीच ऑपरेशन सिंदूर को लेकर भी चर्चा हुई। इस कॉल का आग्रह ट्रंप की तरफ से किया गया था।

धूल मिट्टी और ट्रैफिक जाम से परेशान वाहन चालक

भोपाल के पुराने हिस्से में ताजमहल रोड पर निर्माण कार्य बंद पड़ा हुआ जिसके कारण वाहन चालक धूल मिट्टी एवं ट्रैफिक जाम के शिकार हो रहे हैं ।

तीनों वितरण कंपनियों में कई स्तर पर खामियां, अफसर नहीं संभाल पा रहे स्थिति

बिजली कटौती पर मचा हुआ है घमासान शहर के हर इलाके में रहवासी हलकान

भोपाल दोपहर मेट्रो

राजधानी समेत कई जिलों में बिजली कटौती पर घमासान मचा है, लोग हलाकान है। गुल होने के बाद घंटो बिजली बहाल नहीं हो रही है। कंपनी के पास एक ही बहाना है, आंधी–तूफान और बारिश में इस तरह की स्थिति बनती है। कम से कम समय में बिजली बहाल करने के प्रयास किए जाते है, ज्यादातर मामलों में सफलता भी मिलती है।

आलम यह है कि ऊर्जा मंत्री स्वयं परेशान हैं। इसलिए अपने बंगले पर शिकायत केंद्र बनाया है। बताया जा रहा है कि बिजली कंपनी के कुछ अफसरों की मनमानियों से ऊर्जा मंत्री स्वयं परेशान है, वे व्यवस्था में सुधार को लेकर लगातार प्रयासरत है लेकिन अधिकारी बड़ी सफाई से पेंच फंसाते रहते हैं, जिसके कारण वे जो चाहते हैं वे बदलाव व सुधार नहीं हो पा रहा है। हाल में वे गोविंदपुरा बिजली कार्यालय गए थे, वहां उपभोक्ताओं से स्वयं बात की, जिसके बाद कुछ अधिकारियों की गलती पकड़ में आई थी, जिसके बाद ऐसे अधिकारियों पर

कार्रवाई के निर्देश दिए थे। जिन पर कार्रवाई करने में बिजली कंपनी ने कार्रवाई करने में देरी कर दी सूत्रों के मुताबिक उर्जा ने तमाम स्थितियों को देखते हुए उपभोक्ताओं की शिकायतों के समाधान के लिए सरकारी बंगले पर शिकायत समाधान केंद्र खुलवाया है।

दरअसल हाल में मानसून के पहले बदले मौसम व आंधी पानी के हल्के दौर में भी राजधानी जैसी विशेष तवज्जो वाली जगहों पर अंधेरा छाया रहा। इसके पहले भी जरा सी मौसमी करवट में बिजली विभाग की कमजोरी व मरम्मत-मेंटेनेंस के कामों में लापरवाही उजागर होने लगती है।

करोड़ों खर्च नतीजा कमजोर

राजधानी के कई इलाकों में हर दिन 7–7 घंटे की अघोषित कटौती से लोग गर्मी और उमस से परेशान हैं। पिछले दो दिनों में बिजली कंपनी के कॉल सेंटर पर 2700 से ज्यादा शिकायतें दर्ज हुई। ऊर्जा मंत्री के कॉल सेंटर पर भी शिकायतें पहुंचीं, लेकिन उनका निपटारा कैसे हो रहा है, इसकी कोई मॉनीटरिंग नहीं हो रही। जबकि ढाई महीने में सिर्फ मेंटेनेंस के नाम पर 1.3 करोड़ रुपए खर्च हो चुके हैं। जानकारों की मानें तो शहर के 26 जोन में हर एक पर औसतन 5 लाख तक खर्च किए गए। बावजूद इसके फॉल्ट पकड़ने और सुधारने में घंटों लग जाते हैं। ढीले तार हवा में टकराते हैं। इससे ट्रांसफॉर्मर ट्रिप कर जाता है।

उपभोक्ताओं की ये शिकायतें

- जब भी बड़े स्तर पर बिजली गुल होती है, कहीं सुनवाई नहीं होती। टोल फ्री नंबर इंगेज बताते हैं।
- चैटबॉट पर की गई शिकायत पर कोई रिस्पांस नहीं मिलता।
- कहा जाता है कि पूरे क्षेत्र की बिजली गुल हुई है, जब पूरे क्षेत्र की बिजली बहाल होगी, तब आपके घर की बिजली भी बहाल हो जाएगी।
- बडत्रे स्तर पर बिजली बंद हुई है, ठीक करने में थोड़ा समय लग सकता है, इंतजार करना पड़ सकता है।
- बिजली कंपनियां समय–समय पर जिन स्थानीय अधिकारियों के मोबाइल नंबर जारी करती रही हैं, वे नंबर भी ऐन वक्त पर नहीं लगते, कुछ अफसर कॉल रिसीव नहीं करते, कुछ ने महंगे फोन ले रखे हैं, जिन पर अनजान नंबर रिसीव होने से पहले ही डिस्कनेक्ट हो जाते हैं, लगता है, जैसे कॉल काटे जा रहे हो।

जबकि मेंटेनेंस के नाम पर बिजली महकमा साल भर राजधानी में औसतन तीस चालीस बस्तियों में बिजली कटौती करता है। यही स्थित अन्य शहरों में भी होती है।

सबसे लंबे सिक्स लेन फ्लाईओवर का निरीक्षण किया विधायक ने

निर्माण तेज लाने के दिए निर्देश, फाटक रोड ब्रिज भी देखा

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो

भोपाल में बन रहे पहले सबसे लंबे सिक्स लेन एलिवेटेड फ्लाईओवर के निर्माण कार्य का मंगलवार को विधायक रामेश्वर शर्मा ने निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने निर्माण में तेजी लाने, विशेषकर बरसात से पहले मिट्टी से जुड़े सभी काम पूरे करने के निर्देश दिए। यह फ्लाईओवर संत नगर के साथ-साथ इंदौर, देवास और उज्जैन की ओर जाने वाले यात्रियों के लिए बड़ी सहूलियत देगा।

जल निकासी और चौड़ीकरण पर जोर

निरीक्षण के दौरान विधायक शर्मा ने फ्लाईओवर के आसपास नालों के सुव्यवस्थित निर्माण और सीवेज लाइन की तेजी से शिफ्टिंग के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पीयर्स के काम में और तेजी लाई जाए। लालघाटी पर बने ग्रेड सेपरेटर का अवलोकन करते हुए, उन्होंने NHAI को इसे चौड़ा करने पर पुनर्विचार करने, सर्विस रोड को अधिकतम चौड़ा करने और बिजली के खंभों की शिफ्टिंग करने के निर्देश दिए।

फाटक रोड फ्लाईओवर देखा

विधायक शर्मा ने संत नगर के फाटक रोड पर बन रहे फ्लाईओवर के निर्माण का भी जायजा लिया। उन्होंने रेलवे से अपने हिस्से का कार्य जल्द पूरा करने का आग्रह किया, ताकि पीडब्ल्यूडी अपना बचा हुआ 10त्न कार्य पूरा कर सके। उन्होंने फ्लाईओवर के नीचे सर्विस रोड और ड्रेनेज के निर्माण को भी जल्द पूरा करने के निर्देश दिए। शर्मा ने गांव बैरागढ़ में सब स्टेशन निर्माण के लिए भूमि का निरीक्षण किया और भौरी में बन रहे प्रधानमंत्री आवास योजना का अवलोकन कर वहां और अधिक आवास बनाने के लिए भूमि चिन्हित करने को कहा।

नगर निगम : ऑनलाइन शिकायतों का अंबार समाधान का लंबा इंतजार

सबसे ज्यादा सीवेज की समस्या

भोपाल दोपहर मेट्रो

नगर निगम द्वारा संचालित महापौर हेल्पलाइन में इस महीने जून के 16 दिन में कुल ही 1728 शिकायतें दर्ज की गईं। इनमें से लगभग आधी शिकायतें अभी तक पेंडिंग भी है। महापौर मालती राय ने कहा कि सबसे ज्यादा सीवेज की शिकायत पेंडिंग है। बारिश का मौसम होने से दिक्कतें हो सकती हैं। इसलिए अफसरों से बात की है। ताकि, शिकायतें दूर की जा सकें।

राजधानी के स्मार्ट सिटी कंट्रोल रूम से महापौर राय ने मोबाइल पर अफसरों को कॉल करके निर्देश भी दिए। यहां महापौर ने महापौर महिला हेल्पलाइन की समीक्षा की और हर विभाग के जिम्मेदारों को कॉल करके पेंडिंग शिकायतों के बारे में बताया। समीक्षा के दौरान महापौर ने शिकायत करने वाले लोगों से बात भी की। उनसे पूछा कि उन्होंने जो शिकायत की थी, वह दूर हुई या नहीं?

इसके अलावा जिम्मेदार अफसरों को भी कॉल लगाया। महापौर राय ने बताया कि 1 जून से अब तक 1727 में से 912 शिकायतों का निराकरण हो चुका है। 816 पेंडिंग है। इन्हें जल्द दूर किया जा रहा है। इन नंबर पर कर सकते हैं शिकायत स्ट्रीट लाइट, स्ट्रीट डॉग्स, सीवेज, सफाई समेत निगम से जुड़ी अन्य समस्याएं हैं तो आप भी शहर के लोग निगम को कॉल करके शिकायत दर्ज करा सकते हैं। इसके लिए महापौर हेल्पलाइन नंबर-155304 पर कॉल करना होगा।

योग दिवस पर मेंटल हेल्थ सेमिनार

लोक निर्माण विभाग मुख्यालय में योग दिवस पर मेंटल हेल्थ सेमिनार प्रजापिता ब्रह्मकुमारी विवि संस्थान के सहयोग से आयोजित हुआ। इसमें मुख्य अभियंता संजय मस्के समेत तमाम इंजीनियर और कर्मचारी शामिल हुए।

स्व-सुरक्षा एवं संस्कार शिविर का समापन

हिरदाराम नगर. मानव समाजसेवी संस्था श्री मां आशापुरा दरबार द्वारा आयोजित पांच दिवसीय 'स्व-सुरक्षा एवं संस्कार शिविर' का कोहेफिजा स्थित आशापुरा दरबार में समापन हुआ। संस्थापिका गीता माताजी के सानिध्य में संपन्न हुए इस शिविर के अंतिम दिन भाजयुमो की प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य भक्ति शर्मा भी उपस्थित रहीं।

शिविर के दौरान, दरबार के भक्तों और उपस्थित युवक-युवतियों को प्रतिदिन एक घंटे मार्शल आर्ट का प्रशिक्षण दिया गया, ताकि वे अपनी आत्मरक्षा कर सकें।

डॉ. प्रतीक्षा साहू को आईएनआई सुपर स्पेशलिटी परीक्षा में पहली रैंक

भोपाल । मध्य प्रदेश के प्रसिद्ध मनोरोग चिकित्सक डॉ. आर. एन. साहू की पुत्री और गांधी

चिकित्सा महाविद्यालय की छात्र रही डॉ. प्रतीक्षा साहू ने हाल ही में आयोजित आईएनआई सुपर स्पेशलिटी 2025 परीक्षा में न्यूरोलॉजी विषय में प्रथम रैंक प्राप्त की है। राष्ट्रीय स्तर पर आरएनआई सुपर स्पेशलिटी परीक्षा भारतीय चिकित्सा संस्थानों में सुपर स्पेशलिटी पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए आयोजित की जाती है। डॉ. प्रतीक्षा साहू ने इंस्टीट्यूट ऑफ नेशनल इंपोर्टेंस सुपर स्पेशियलिटी (INI-SS) एम्स की मेरिट सूची न्यूरोलॉजी में यह उपलब्धि हासिल की है।

श्री झूलेलाल कथा व 251 बहिराणा साहिब के लिए कमेटियां गठित

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो

भगवान श्री झूलेलाल कथा और सामूहिक 251 पूज्य बहिराणा साहिब के आयोजन की तैयारियां चल रही हैं। कार्यक्रम के लिए विभिन्न कमेटियों का गठन कर उनके प्रभारियों की नियुक्ति कर दी गई है।

पूज्य सिंधी पंचायत के अध्यक्ष माधु चांदवानी की अध्यक्षता में स्वामी शांतिप्रकाश धर्मशाला में हुई बैठक में कार्यक्रम संयोजक निर्मल गंगनानी और सह संयोजक लख्खू अंदानी ने बताया कि आगामी 21 जून को शाम 5 बजे झूलेलाल मंदिर, एच वार्ड से भव्य कलश यात्रा निकाली जाएगी। इस यात्रा के प्रभारी हीरो हिन्दू होंगे। कलश बनाने और महिलाओं की व्यवस्था का जिम्मा किरण वाधवानी और भाजपा नेत्री भारती मूलचंदानी को सौंपा गया है। कार्यक्रम के व्यवस्थापक जयरामदास दावानी केटर्स रहेंगे। 24 जून को झूलेलाल विसर्जन घाट पर सामूहिक 251 बहिराणा साहिब की पूजा-अर्चना का विशेष कार्यक्रम आयोजित होगा। जो भी श्रद्धालु बहिराणा साहिब

बनवाना चाहते हैं, वे परषोत्तम हरचंदानी, राज वाधवानी (राउ भाई) और शेरु रीझवानी से संपर्क कर सकते हैं। प्रत्येक बहिराणा साहिब की भेंट ?301 रखी गई है। कार्यक्रम के संचालन की जिम्मेदारी पंचायत अध्यक्ष माधु चांदवानी को सौंपी गई है। भगवान झूलेलाल की पावन कथा 21, 22 और 23 जून को वन ट्री हिल्स स्थित संत हिरदाराम हॉल में शाम 7 बजे से रात्रि 9 बजे तक होगी। कथा के उपरांत प्रतिदिन आम भंडारे का आयोजन भी किया जाएगा।

कायस्थम के तेवर कड़े : चित्रगुप्त मंदिर जाकर माफी की मांग

भोपाल। कायस्थम संस्था ने कथा वाचक पं. प्रदीप मिश्रा द्वारा नाटकीय तरीके और मीडिया द्वारा इस विषय पर प्रतिक्रिया लेने पर अत्यंत सरलता से माफी मांगने को खेदजनक बताया है। कायस्थम के अध्यक्ष प्रलय श्रीवास्तव ने कहा है कि पं मिश्रा ने भरी सभा में भगवान श्री चित्रगुप्त पर अनर्गल,अमर्यादित और शर्मनाक टिप्पणी की थी। लेकिन आज उन्होंने जितनी सरलता से माफी मांगी, वह माफी योग्य नहीं है। वे मध्य प्रदेश के किसी भी श्री चित्रगुप्त मंदिर में जाकर भगवान श्री चित्रगुप्त जी की चरण वंदना करें ,पूजा अर्चन करें और वहां कारसेवा अथवा श्रमदान करें । तभी कायस्थ समाज उन्हें माफ करेगा ।जैसा उन्होंने राधा रानी के बारे में अनर्गल टिप्पणी के बाद किया था। मीडिया के सामने नहीं बल्कि भगवान श्री चित्रगुप्त जी के समक्ष उन्हें माफी मांगनी होगी। पं. मिश्रा शिव महापुराण का सहारा लेकर अपनी अमर्यादित टिप्पणी से बचने की कोशिश कर रहे हैं, जो उचित नहीं है।

- भारतीय वन्यजीव संस्थान देहरादून की रिपोर्ट में खुलासा यहां सर्वाधिक शाकाहारी वन्यजीव

कान्हा सबसे अच्छा रिजर्व, क्योंकि यहां बाघों के लिए भरपेट शिकार

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

टाइगर रिजर्वों में कान्हा सबसे अच्छा टाइगर रिजर्व बन गया है। यहां शाकाहारी वन्यजीव चीतल, हिरण, गौर, नीलगाय जैसे वन्यजीवों की संख्या 1 लाख 2 हजार 485 है, इनका प्रति वर्ग किलोमीटर घनत्व 69.86 दर्ज किया है, जो देश के किसी भी रिजर्व की तुलना में अधिक है। बाघ, तेंदुए जैसे मांसाहारी वन्यजीव इनका ही शिकार करके जिंदा रहते हैं। इस लिहाज से बाघों के लिए भरपेट शिकार के लिए यह सबसे अच्छे रहवास स्थलों में शामिल हुआ है। वन्यप्राणी विशेषज्ञों की माने तो किसी भी रिजर्व और वन क्षेत्रों के लिए यह खाद्य जाल सबसे जरूरी माना गया है, तभी मांसाहारी वन्यजीवों की संख्या बढ़ती है। वन्यजीव संस्थान देहरादून की रिपोर्ट के अनुसार इस लिहाज से कान्हा टाइगर रिजर्व देश में सबसे उपयुक्त् रिजर्व माना गया है।

मोबाइल एप से निगरानी में भी सबसे अव्वल

कान्हा टाइगर रिजर्व मंडला जिले में है जिसका क्षेत्रफल 2074 वर्ग किलोमीटर है, जिसमें 917.43 वर्ग किलोमीटर कोर व 1134 वर्ग किलोमीटर बफर जोन है। कान्हा टाइगर रिजर्व में वर्षभर घास भूमियों की देखरेख, जल स्त्रोतों का निर्माण, झाड़ियों की सफाई, लेंटाना उन्मूलन और बाघ-आहार प्रजातियों की संख्या बढ़ाने के लिये आवास सुधार के काम किए जाते हैं। गर्मियों में जल संकट से निपटने के लिए कृत्रिम जलकुंड, सोलर बोरवेल और तालाबों का गहरीकरण एवं साफ-सफाई की है। मोबाइल एप के जरिए निगरानी की जाती है। रिजर्व में अप्रैल-2025 में 88,600 किलोमीटर क्षेत्र में गश्त निगरानी की गई, जो देश में सबसे अधिक है।

शाकाहारी वन्यजीवों की संख्या इसलिए सर्वाधिक

- गांव खाली कराने के बाद प्राकृतिक रूप से घास का मैदान विकसित होने दिए जाते हैं।
- शाकाहारी वन्यजीवों के प्रबंधन पर विशेष जोर दिया जाकर ऐसे क्षेत्रों में हिरण-चीतल की शिफ्टिंग की जाती है, वहां संख्या क्षेत्रफल के अनुपात में कम होती है। यह प्रक्रिया शतत जारी रखी जाती है।
- वनकर्मियों को नियमित प्रशिक्षण एवं डब्ल्यूआईआई, देहरादून से तकनीकी मार्गदर्शन दिलाने की प्रक्रिया लगातार जारी है।
- बंजर घाटी में पहले से अधिक घनत्व होने के कारण हालन घाटी में घास-भूमि के विकास और प्रजातियों के सतत स्थानांतरण के जरिये शाकाहारी प्रजातियों की संख्या में बढ़ोतरी हुई।

ईकेवाईसी की अनिवार्यता का मामला

प्रदेश के 50 हजार कर्मचारियों को जुलाई में नहीं मिलेगा वेतन !

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

राज्य सरकार ने अपने कर्मचारियों का आईएफएमआईएस यानी इंटीग्रेटेड फाइनेंस मैनेजमेंट सिस्टम से ई-केवाईसी अनिवार्य कर तो दिया है लेकिन इससे कई कर्मचारियों का वेतन अटकने की आशंका पैदा हो गई है। वित्त विभाग ने सभी कलेक्टरों से कहा है कि वे अपने जिले के सभी अधिकारियों-कर्मचारियों का फाइनेंस मैनेजमेंट सिस्टम के साथ ईकेवाईसी करा दें। जिन कर्मचारियों और अधिकारियों का ई-केवाईसी 30 जून तक नहीं होगा, उनका जून का वेतन नहीं निकाला जाएगा।

अब विभाग के इस फरमान से प्रदेश के 50 हजार अधिकारी-कर्मचारी प्रभावित होने का अनुमान है। बताया जाता है कि आयुक्त कोष एवं लेखा ने सभी कलेक्टरों को लिखे पत्र में कहा है कि राज्य शासन के स्पष्ट निर्देश हैं कि सभी लोक सेवकों को आईएफएमआईएस के अंतर्गत एम्प्लाई सेल्फ सर्विस प्रोफाइल के माध्यम से अपनी समग्र आईडी को आधार से लिंक करना है। इसे मैप किए जाने के बाद ही अब कर्मचारियों और अधिकारियों का वेतन निकल सकेगा। इसलिए सभी अधिकारी-कर्मचारी ई-केवाईसी सत्यापन का कार्य अभियान के रूप में करें, ताकि जिनका ई-केवाईसी नहीं हो सका है, उनका सत्यापन हो जाए और वेतन निकलने में किसी तरह की दिक्कत न हो। मार्च 2024 की रिपोर्ट के अनुसार प्रदेश में 6 लाख 6 हजार नियमित कर्मचारी हैं। संविदा एवं स्थायी कर्मी समेत अन्य कर्मचारियों को जोड़ने पर यह आंकड़ा 7 लाख के पार होता है। ऐसे में जबकि सरकार का पहला फोकस नियमित अधिकारी-कर्मचारी हैं तो भी अभियान के दस माह में 90 फीसदी का ही सत्यापन हो सका है।

अभी 10 फीसदी का ई-केवाईसी होना बाकी

बताया जाता है कि अभी भी 10 प्रतिशत का ई-केवाईसी होना बाकी है। ऐसे करीब 50 हजार से अधिक कर्मचारियों का 30 जून से पहले ई-केवाईसी किया जाना जरूरी है। इसके मद्देनजर आयुक्त कोष और लेखा ने कहा है कि जिन कर्मचारी-अधिकारी का आईएफएमआईएस के अंतर्गत समग्र आईडी से आधार की लिंकिंग या मैपिंग नहीं हुई है उनका वेरिफिकेशन अगले 14 दिनों में पूरा करा लिया जाए। ऐसा न होने पर ट्रेजरी से वेतन नहीं निकाला जा सकेगा। गौरतलब है कि आईएफएमआईएस से समग्र और आधार की लिंक प्रक्रिया सितंबर से शुरू हुई है। विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग ने इसको लेकर 2 सितंबर 2024 को पहल पत्र वित्त विभाग को लिखा। इसके बाद 14 सितंबर 2024 को वित्त विभाग ने जिलों को इसके निर्देश जारी किए हैं। आयुक्त कोष और लेखा ने इसको लेकर 23 मई को भी पत्र लिखकर समग्र और आधार को आईएफएमएस से लिंक कराने के लिए रिमाइंडर भेजा था।

: पर्यवेक्षक के सामने बैठक में हुआ हंगामा

कांग्रेस का संगठन सृजन नेताओं के संघर्ष में बदला

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

कांग्रेस के संगठन सृजन अभियान की बैठक में जमकर विवाद के बाद भाजपा को चुटकी लेने का मौका मिल गया है। बीती शाम 9 मसाला रेस्टोरेंट में मध्य विधानसभा के ब्लॉकों की बैठक रखी गई थी।

इसमें शामिल होने कांग्रेस नेता सैयद साजिद अली समर्थकों के साथ पहुंचे। बताये हैं कि यहां विधायक आरिफ मसूद के समर्थकों के साथ साजिद के समर्थकों का विवाद हो गया। बैठक में भोपाल जिले की पर्यवेक्षक यशोमती ठाकुर, विधायक महेश परमार, दिलीप सिंह गुर्जर, कांग्रेस शहर अध्यक्ष प्रवीण सक्सेना मौजूद थे। साजिद बोले- कांग्रेस के जिला अध्यक्ष को लेकर रायशुमारी चल रही है। मैंने भी जिला अध्यक्ष के लिए दावेदारी की है।इसलिये विवाद हुआ है। विधायक आरिफ मसूद ने मुझसे कहा- यहां क्यों आए हो। मैंने कहा मैं भी अध्यक्ष के लिए दावेदारी कर रहा हूं। तो विधायक ने कहा कुछ हो जाएगा तो फिर क्या होगा? साजिद के मुताबिक - मैंने मसूद से कहा कि ऐसे कैसे हो जाएगा? मैं तो जिलाध्यक्ष की दावेदारी करने आया हूं। इसके बाद मसूद के लोगों ने गाली-गलौज करना शुरू कर दिया। फिर मैंने और आरिफ मसूद दोनों ने बीच-बचाव कर शांत कराया। लेकिन, ये बात तय है कि मेरे जिलाध्यक्ष की दावेदारी से जिन लोगों को दिक्कत हो रही है वे ऐसे विवाद करा रहे हैं।

कांग्रेस की बैठक या कुश्ती प्रतियोगिता?

भोपाल में कांग्रेस का संगठन सृजन अब संघर्ष सृजन बन गया है। जिला कांग्रेस की बैठक में आरिफ मसूद और साजिद अली के समर्थकों के बीच बहस नहीं, सीधे मारपीट हुई। आरोप लगा कि साजिद अली ने चुनाव में भाजपा का समर्थन किया — जवाब मिला, बैठक में देशभक्तों की जरूरत नहीं। फिर क्या था — बहस, धक्का-मुक्की और कुर्सियाँ चलने लगीं! अब समझ आया कि कांग्रेस में मन की बात नहीं, मुक्कों की बात होती है। अगली बैठक में क्टर आएंगे या पुलिस इंतज़ार कीजिए।

आशीष अग्रवाल, संवाद प्रमुख, मप्र भाजपा

विश्वविद्यालयों में परीक्षा नियंत्रक के लिए नहीं आए आवेदन, अवधि बढ़ाई

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

प्रदेश के सभी विश्वविद्यालयों में परीक्षा नियंत्रक प्रतिनियुक्ति पर भेजने के लिए उच्च शिक्षा विभाग की प्रक्रिया शुरू हो गई है। विभाग द्वारा इसके लिए आवेदन बुलाए गए थे, लेकिन पर्याप्त आवेदन नहीं आने पर अंतिम तिथि में 15 दिनों की बढ़ोतरी कर दी है। इसके बाद भी विभाग को पूर्ण संख्या में आवेदन नहीं मिलते हैं, तो प्रोफेसरों को प्रतिनियुक्त पर भेजकर सीधे परीक्षा नियंत्रक पदस्थ करेगा। विभाग को एक दर्जन विश्वविद्यालय में परीक्षा नियंत्रक नियुक्त करना है और विभाग को आधा दर्जन प्रोफेसरों के ही आवेदन प्राप्त हुए हैं। यह आवेदन भी ऐसे विवि के आए हैं, जिन्हें विभाग परीक्षा नियंत्रक नियुक्त करने में ज्यादा दिलचस्पी नहीं रखता है।

- पूर्ण संख्या में आवेदन नहीं आज तो प्रोफेसरों को प्रतिनियुक्त पर भेजकर सीधे परीक्षा नियंत्रक पदस्थ किया जाएगा

परीक्षाओं और रिजल्ट की स्थिति खराब :

प्रदेश के सभी विश्वविद्यालय की परीक्षाओं और रिजल्ट की स्थिति काफी खराब बनी हुई है। सभी विवि परीक्षा और रिजल्ट में एकेडमिक कैलेंडर में काफी पिछड़कर चल रहे हैं। उक्त विवि के विद्यार्थी पीजी में प्रवेश लेने के लिए परेशान हो रहे हैं। अधिकारी परीक्षाओं और रिजल्ट के लिए एक दूसरे से जूझ रहे हैं। अब विभाग भी जूझने पर आ गया है।

इंस्पायर अवार्ड मानक योजना में केन्द्रीय विद्यालय, नवोदय विद्यालय और अन्य विद्यालयों के बच्चे शामिल

62 हजार से अधिक बच्चों के विचार पोर्टल पर अपलोड किए

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

केन्द्र सरकार के प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा संचालित इंस्पायर अवार्ड मानक योजना के माध्यम से स्कूल में पढ़ने वाले बच्चों में विज्ञान के प्रति रुचि पैदा करने के मकसद से स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा प्रदेश में इंस्पायर अवार्ड मानक योजना संचालित की जा रही है। इस योजना के जरिये बच्चों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण उत्पन्न करने के प्रयास किये जा रहे हैं। पिछले वर्ष स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा संचालित इस योजना में शासकीय विद्यालयों के अलावा अशासकीय विद्यालय के साथ केन्द्रीय विद्यालय, नवोदय विद्यालय और अन्य विद्यालयों के बच्चे शामिल हुए।

प्रतियोगिता में 62 हजार 124 बच्चों के विज्ञान से जुड़े आइडियाज भारत सरकार के पोर्टल पर अपलोड किए गए है।जापान जाने का मिला मौका-?केन्द्र सरकार की इस प्रतियोगिता में नई दिल्ली में आयोजित विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग की राष्ट्रीय प्रतियोगिता में देश में स्थान प्राप्त विदिशा जिले की रूपाली लोधी को एक्सचेंज प्रोग्राम में वर्ष 2024 में जापान जाने का मौका मिल चुका है। योजना में कक्षा-6 से कक्षा-10 तक नियमित अध्ययनरत विद्यार्थी इस प्रतियोगिता में शामिल हो सकते हैं।देशभर के 5 लाख विद्यालयों में संचालित केन्द्र सरकार द्वारा यह कार्यक्रम देशभर के 5 लाख विद्यालयों में संचालित किया जा रहा है। योजना के माध्यम से प्रत्येक विद्यालय से 2 सर्वश्रेष्ठ विचार के मान से लगभग 10 लाख नवाचारों को प्राप्त करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

भोपाल। परिवहन सचिव ने सड़क दुर्घटना पीड़ितों के लिए नकदी रहित उपचार योजना के क्रियान्वयन के लिए कलेक्टर्स को निर्देश दिये हैं। निर्देश में कहा गया है कि सड़क दुर्घटना पीड़ितों को नकदी रहित उपचार स्कीम के संबंध में उनके अधीनस्थ अधिकारी को यह जिम्मेदारी दी जाये।

मेट्रो एंकर कमेटी ने देशभर से आए 70 आवेदनों की स्कूटनी कर नामों का चयन किया

हिंदी विवि के नए कुलगुरु के लिए तैयारियां शुरू आधा दर्जन उम्मीदवारों के नाम राजभवन को सौंपे

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

राजधानी स्थित अटल बिहारी वाजपेयी हिंदी विश्वविद्यालय में कुलगुरु की नियुक्ति को प्रक्रिया शुरू हो गई है। करीब आधा दर्जन से ज्यादा उम्मीदवारों का पैनल तैयार कर राजभवन को सौंप दिया गया है। कुलगुरु राजधानी भोपाल से ही नियुक्त किया जा सकता है। हिंदी विवि के कुलगुरु की तलाश लगभग अंतिम चरण में पहुंच गई है। चार सदस्यी सर्च कमेटी ने अपना गोपनीय पैनल तैयार कर राजभवन को सौंप दिया है। कमेटी ने देशभर से आए 70 आवेदनों की स्कूटनी कर ली है। इसमें से चयनित एक दर्जन उम्मीदवारों से सर्च कमेटी ने साक्षात्कार भी कर लिया है। उनमें से योग्य आधा दर्जन उम्मीदवारों का पैनल तैयार कर लिया गया है। अब राज्यपाल गोपनीय पैनल में शामिल उम्मीदवारों से वन टू वन चर्चा करेंगे। उनकी कसौटी पर खरा उतरने के बाद उक्त पैनल में से किसी एक उम्मीदवार को हिंदी विवि का कुलगुरु नियुक्त किया जाएगा। बता दें कि कुलगुरु खेमसिंह डेहरिया का कार्यकाल 29 जुलाई को समाप्त हो रहा है।

सर्च कमेटी में इन्हें किया शामिल :

सर्च कमेटी का अध्यक्ष विक्रम विश्वविद्यालय उज्जैन के कुलगुरु अर्पण भारद्वाज को नियुक्त किया गया था। इसके साथ हिंदी विवि की कार्यपरिषद से आईआईआईटी के निदेशक प्रो अशुतोष सिंह को सदस्य के तौर पर नियुक्त किया गया था। इसके साथ शासन के प्रतिनिधि के रूप में प्रो प्रकाश बडतूनिया को रखा गया था और यूजीसी की तरफ से जामिया मिलिया इस्लामिया यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रो. मजहर आसिफ को शामिल किया गया था।

संपादकीय

प्रगति की रफ्तार पर खतरे

इन दिनों इजरायल और ईरान के बीच भीषण लड़ाई ने वैश्विक अर्थव्यवस्था के समक्ष अनिश्चितता का एक नया द्वार खोल दिया है, यह तनाव ज्यादा चला तो असर भारत पर भी पड़ेगा। चूंकि दोनों पक्षों ने पीछे हटने से इनकार कर दिया है और इजरायल ने अपने लिए जो लक्ष्य तय किए हैं उन्हें देखते हुए यह लड़ाई रुकने के आसार नहीं है। पश्चिम एशिया में छिड़ी इस लड़ाई का फौरी असर तेल कीमतों पर महसूस किया जा सकता है। बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड की कीमतें पिछले एक हफ्ते में करीब 9 फीसदी चढ़ गई हैं। अनुमान है कि तेल कीमतें मौजूदा 150 डॉलर प्रति बैरल से बढ़कर दोगुनी हो सकती हैं। इससे पहले यूक्रेन पर रूस के हमले के बाद तेल कीमतें पांच महीने तक 100 डॉलर प्रति बैरल से ऊंची बनी रहीं। इजरायल और ईरान का विवाद कम से कम दो तरीकों से तेल कीमतों को प्रभावित कर सकता है। पहला है उत्पादन, चूंकि इजरायल ने ईरान के तेल ठिकानों को निशाना बनाया है, जिससे आपूर्ति बाधित हो सकती है। पेट्रोलियम निर्यातक देशों के समूह के पास कमी पूरी करने की क्षमता है मगर देखना होगा कि वे कितनी जल्दी उत्पादन बढ़ा पाते हैं। दूसरा कारण है होरमुज जलडमरूमध्य में रुकावट। दुनिया का एक तिहाई तेल इसी रास्ते से होकर जाता है। कच्चे तेल के साथ गैस की आपूर्ति भी गड़बड़ हो सकती है। पहले ही व्यापारिक अनिश्चितताओं से जूझ रही वैश्विक अर्थव्यवस्था पर तेल-गैस कीमतों में निरंतर इजाफे का बहुत बुरा असर होगा। तेल और गैस की ऊंची कीमतें भारतीय अर्थव्यवस्था को कई तरह से सीधे प्रभावित करेंगी। तेल कीमतों में तेजी व्यापार घाटा भी बढ़ा सकती है। इस साल चालू खाते का घाटा सकल घरेलू उत्पाद का 1 फीसदी होने का अनुमान है। अनुमान के मुताबिक तेल कीमतों में लंबे समय तक तेज इजाफा होता रहा तो चालू खाते का घाटा भी काफी बढ़ सकता है। विदेशी मुद्रा भंडार में भारत महफूज है और बाहरी मोर्चे पर अनिश्चितताओं से आसानी से निपट सकता है। लेकिन चालू खाते के घाटे में इजाफा वित्तीय चुनौतियां पैदा कर सकता है। कच्चे तेल की ऊंची कीमतें वृद्धि और मुद्रास्फीति को सीधे प्रभावित करेंगी। भारतीय रिजर्व बैंक के अनुमानों के अनुसार तेल कीमतों में 10 फीसदी का इजाफा मुद्रास्फीति को 30 आधार अंक बढ़ा सकता है और वृद्धि को 15 आधार अंक कम कर सकता है। तेल कीमतों में अधिक इजाफा ज्यादा प्रभाव डालेगा। रिजर्व बैंक की अप्रैल की मौद्रिक नीति रिपोर्ट में कच्चे तेल (इंडियन बास्केट) की कीमतें 2025-26 में 70 डॉलर प्रति बैरल रहने की उम्मीद है। हालांकि भारत मुद्रास्फीति के मोर्चे पर सहज है, जिस कारण मौद्रिक नीति समिति नीतिगत दरों में कटौती जारी रख सकी। मगर तेल कीमतें लगातार ऊंची रहीं तो अनुमानों पर असर पड़ सकता है और मुद्रास्फीति की तस्वीर भी बदल सकती है। ऊंची तेल कीमतों के कारण सरकार ने उत्पाद शुल्क घटाया अथवा तेल कंपनियों से कीमत का बोझ सहने को कहा तो खजाने पर असर पड़ सकता है व राजस्व संग्रह प्रभावित होगा। अनिश्चितता के कारण परिवारों और कंपनियों के खपत एवं निवेश के फैसलों पर असर पड़ सकता है। यानि कुल मिलाकर अब भारतीय नीति प्रबंधकों को बहुत सावधानी से फैसले लेने की जरूरत है। वरना जिस जतन के साथ आर्थिक मोर्चे के सहेजकर विकास और रोजगार के क्षेत्र में छलांगे लगाने की कोशिशे हुई थीं वे बाधित हो सकती हैं।

इजरायल-ईरान युद्ध ने दुनिया के सामने खड़ी कर दीं नई चुनौतियां

■ ललित गर्ग

इजरायल ने ईरान के 'परमाणु कार्यक्रम ठिकानों' पर अचानक हमला करके न सिर्फ दुनिया को चौंका दिया है बल्कि पश्चिमी एशिया के पूरे क्षेत्र को अनिश्चितता, भय, अशांति एवं संकट के भंवर में डाल दिया है। ईरान जवाबी कार्रवाई करते हुए इजरायल को करारा जवाब दे रहा है। जहां इस्राइल इन हमलों को अपने अस्तित्व को बचाने की कार्रवाई बता रहा है, वहीं ईरान जवाबी कार्रवाई कर शीघ्र बदला लेने की बात कर रहा है। लेकिन इन दो राष्ट्रों के संघर्ष एवं युद्ध में समूची दुनिया पीस रही है। एक और युद्ध से दुनिया में विकास का रथ थमेगा, महंगाई बढ़ेगी, तेल के दाम आसमान छूने लगेंगे, व्यापक जनहानि होगी। युद्ध कभी भी किसी के हित में नहीं होता, आखिर समझौते के लिये टेबल पर बैठना ही होता है, तो पहले ही टेबल पर क्यों न बैठा जाये? विनाश एवं सर्वनाथ करने के बाद युद्ध विराम करना कैसे बुद्धिमत्ता है?

इजरायल ने ईरान के खिलाफ अपनी कार्रवाई को ऑपरेशन राइजिंग लायन नाम दिया है, जो बताता है कि यह अपने आप में महज एक कार्रवाई नहीं बल्कि नया सिलसिला हो सकता है। हमलों का व्यापक एवं विनाशकारी रूप भी इसकी गंभीरता को स्पष्ट कर देता है। कम से कम छह राउंड में किए गए हवाई हमलों के तहत ईरान के परमाणु कार्यक्रम ठिकानों को निशाना बनाया गया। यही नहीं, ईरान के सबसे बड़े सैन्य अधिकारी इस्लामिक रिवॉल्यूशनरी गार्ड्स कॉर्प्स के चीफ हुसैन सलामी के भी मारे जाने की खबर है। ईरान ने तो जवाबी कार्रवाई का इरादा जता ही दिया है, खुद इजरायल सरकार ने भी अपने नागरिकों से अगले कुछ दिन घरों के अंदर रहने और खाने-पीने का सामान इकट्ठा कर लेने को कहा है। इजरायली कार्रवाई के वैश्विक दुष्प्रभावों का संकेत इसी एक तथ्य से मिल जाता है कि पहले हमले के कुछ घंटों के अंदर अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल की कीमतें 13 प्रतिशत बढ़ गईं। दुनिया के शैयर बाजार धराशायी हो गये हैं। इसमें दो राय नहीं कि इजरायल लंबे समय से कहता रहा है कि ईरान को परमाणु हथियार विकसित करने से हर हाल में रोका जाए और जरूरी हो तो उसके लिए बल प्रयोग से भी हिचका न जाए। उसका कहना है कि ईरान इस स्थिति में आ गया था कि कुछ दिनों के अंदर 15 परमाणु बम बना सकता था। एक भयानक संशय का वातावरण बना हुआ है। पहले रूस-यूक्रेन, इजरायल-हमाम, कुछ समय भारत-पाक और अब इजरायल-ईरान के बीच युद्ध की स्थितियां बनना विश्व युद्ध की

संकटपूर्ण स्थितियों को बल दे रही है। संशय से भरा हुआ आदमी प्रेम एवं मानवीयता से खाली होता है। पारस्परिक स्नेह, सद्भाव, सौहार्द और विश्वास के अभाव में उसका संदेहशील मन सदैव युद्ध, हिंसा, सुरक्षा के साधन जुटाने में संलग्न रहता है। उसका मन कभी निर्भय नहीं होता, वृत्तियां शान्त नहीं होतीं, संग्रह उसके सुख, संतोष और शांति को सुरसा बन लील जाता है।

जिसने परमाणु-शस्त्रों के निर्माण और फैलाव से विश्व को तनाव और संत्रास का वातावरण दिया, अनिश्चय और असमंजस की विकट स्थिति दी, उसने विश्व शांति के धरातल छिन लिया है। इन विनाशकारी स्थितियों में मानवीय सहृदयता, सहिष्णुता और सह-अस्तित्व की भावना को कैसे अक्षुण्ण रखा जा सकता है? अभय का वातावरण, शुभ की कामना और मंगल का फैलाव कर तीसरी दुनिया को विकास के समुचित अवसर और साधन देने की संभावनाएं कैसे बलशाली बन सकती है? मनुष्य के भयभीत मन को युद्ध की विभीषिका से मुक्ति देना वर्तमान की बड़ी जरूरत है। क्योंकि वर्तमान युद्ध की जटिल से जटिलतर होती परिस्थितियों को देखें तो यह पश्चिम एशिया से लेकर दक्षिण एशिया और समग्र वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए बहुत खतरनाक समय है। यदि अन्य देश भी इस संघर्ष में खेमेबाजी का शिकार होकर जुड़ते गए तो यह खतरा कई गुना बढ़ जाएगा। अच्छी बात यही है कि अभी तक तो ऐसा कुछ नहीं हुआ है। भारत के लिए बेहतर यही होगा कि शांति एवं कूटनीतिक विकल्पों की वकालत करता रहे, लेकिन उसे खुद भी किसी भी प्रकार की स्थितियों के लिए तैयार रहना होगा।

दुनिया में पहले से ही काफी उथल पुथल मची हुई है। अरब देश संघर्ष लंबा खिंचने पर क्या रूख अख्तियार करते हैं। मुस्लिम देशों की जनता में यह सोच पहले से है कि यहूदी सरकार मुस्लिमों पर अत्याचार कर रही है। ऐसे में उनके लिए भी अपनी जनता की भावनाओं को नियंत्रित करना आसान नहीं होगा। वहीं इजरायल के सामने भी एक बड़ी चुनौती है कि अगर उसने संघर्ष शुरू किया है तो वह ईरान के खतरे को हमेशा के लिए खत्म करे। ऐसे में इजरायल का सैन्य अभियान लंबा चल सकता है। वह लक्ष्य हासिल होने तक युद्ध को जारी रख सकता है। इसके लिए ईरान की सत्ता में बदलाव या राजनीतिक नेतृत्व को खत्म करना होगा। यहां अमेरिका का समर्थन अहम होगा। बेहतर होगा दुनिया को भारी नुकसान से बचाने के लिये पूतिन एवं ट्रंप युद्ध की आग बुझाने की कोशिश करें। उनका आपस का दोस्ताना संवाद फिलहाल दुनिया के लिये अकेली उम्मीद की किरण है, हालांकि यूरोपीय संघ को और विशेषतः चीन कुछ हद तक यह अच्छा नहीं लगेगा। लेकिन युद्ध के अंधेरों एवं शांति के उजालों के लिये यही एक रास्ता है।

ईरान पर इजरायल के हमले ने पहले से युद्धरत एवं अस्थिर दुनिया को अधिक वैश्विक संघर्ष की ओर ढकेल दिया है। ईरान भी अपनी पूरी क्षमता के साथ इजरायल पर मिसाइलों से हमला कर रहा है। उधर, इजरायल इस बात पर अड़ा है कि जब तक वह ईरान की परमाणु बम बनाने की क्षमता और मिसाइलों के जखीरे को खत्म नहीं कर देता है तब तक हमले जारी रहेंगे। अगर यह संघर्ष लंबा खिंचता है तो सिर्फ दो देशों तक सीमित नहीं रहेगा। आगे चलकर इसमें अमेरिका, चीन और रूस जैसी बड़ी शक्तियां शामिल हो सकती हैं। रूस-यूक्रेन युद्ध से दुनिया पहले ही दो खेमों में बंटी दिख रही है। ईरान ऐसी जगह पर हैं, जहां से वह बहुत सीमित संसाधनों के साथ समुद्र से होने वाले वैश्विक व्यापार को बाधित कर सकता है। इससे ग्लोबल सप्लाई चेन चरमरा सकती है, विश्व व्यापार ठप्प हो सकता है और विश्व में तेल आपूर्ति का संकट पैदा हो सकता है।

इजरायल ईरान को अपने अस्तित्व के लिए खतरा मानता है। खासकर उसे लगता है कि अगर ईरान ने परमाणु बम बना लिया तो उसके लिए बहुत बड़ा खतरा पैदा हो जाएगा। यह खतरा इजरायल के साथ अन्य देशों के लिये भी होगा। इसलिए इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू कह रहे हैं कि हम ईरान को परमाणु बम नहीं बनाने देंगे। जो आपरेशन शुरु किया है, उसे लक्ष्य हासिल होने तक जारी रखेंगे। ईरान का परमाणु शक्ति बनना एक बड़ा खतरा है, इस बड़े खतरे को समाप्त करना ही ऑपरेशन राइजिंग लायन का लक्ष्य है। इसी समय अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का आना भी इजरायल के बेहतर मौका लेकर आया और यहां अमेरिका का समर्थन अहम हो गया है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया हैंडल के जरिये कहा है कि ईरान ने परमाणु कार्यक्रम पर समझौते के लिये अंतर्राष्ट्रीय प्रस्ताव को बार-बार खारिज किया है। बहरहाल, इस घटनाक्रम से मध्यपूर्व में इजरायल-ईरान के बीच सीधे युद्ध की आशंका बढ़ गई है। कहा जा रहा है कि इजरायल और हमास, हिजबुल्ला व हूती विद्रोहियों के बीच पहले से जारी संघर्ष से संवेदनशील बने इलाके में पूर्ण युद्ध की आशंका बढ़ गई है।

इजरायल और ईरान के बीच सैन्य तनाव बढ़ने से वैश्विक कच्चे तेल की कीमतें तेजी से बढ़ी हैं, तेल की कीमतें बढ़ती हैं तो इसके जटिल परिणाम सामने आते हैं और सभी जीवन-निर्वाह की चीजों के दाम बढ़ जाते हैं। जिससे भारतीय रूपया कमजोर होने, मुद्रास्फीति बढ़ने और देश की वित्तीय स्थिति पर दबाव पड़ने का खतरा भी है। भारत अपनी जरूरतों का 80 प्रतिशत से अधिक कच्चा तेल आयात करता है, ऐसी घटनाओं का महंगाई से लेकर व्यापार संतुलन, रोजगार से लेकर जीवन-निर्वाह तक के महत्वपूर्ण संकेतकों पर बड़ा प्रभाव पड़ता है। इजरायल और ईरान के बीच संघर्ष भारत के हितों को चोट पहुंचाने वाला है। आर्थिक हित के साथ दोनों देशों के साथ भारत के सामरिक तथा रणनीतिक हित भी जुड़े हुए हैं। भारत को संतुलित रवैया अपनाना होगा, क्योंकि ईरान हमारा पुराना मित्र है, जो कश्मीर मुद्दे को लेकर इस्लामिक देशों के संगठन तक भारत का साथ देता रहा है। इजरायल हमारा महत्वपूर्ण सामरिक एवं नवाचार साझेदार है। किसी के भी पक्ष में झुकाव दुविधा को ओर बढ़ायेगा।

(साभार : यह लेखक के निजी विचार हैं)

राष्ट्रीय सुरक्षा में पानी का पहलू; आस्था की उड़ान या फिर जोखिम का सफर

■ जयसिंह रावत

हादसों की बढ़ती संख्या DGCA, उत्तराखंड सरकार, और हेलीकॉप्टर ऑपरेटरों की लापरवाही का परिणाम है। DGCA के ढीले नियम और अपर्याप्त निरीक्षण ने सिंगल-इंजन हेलीकॉप्टरों के उपयोग और खराब रखरखाव को बढ़ावा दिया। उत्तराखंड सरकार की अत्यधिक भीड़ को प्रोत्साहित करने वाली नीतियों ने हेलीकॉप्टर सेवाओं पर भारी दबाव डाला है।ऑपरेटर, मुनाफे की होड़ में, सुरक्षा मानकों की अनदेखी कर रहे हैं। कंपनियों पर वीआईपी और रसूखदार लोगों का दबाव भी है, जो प्राथमिकता की मांग करते हैं, जिससे हेलीकॉप्टर इंजनों और पायलटों को विश्राम का समय नहीं मिलता।

उत्तराखंड के चारधामों में से एक केदारनाथ यात्रा में हेलीकॉप्टर सेवा तीर्थयात्रियों के लिए वरदान मानी जाती है। लेकिन दुखद यह है कि यह सेवा उन बुनियादी सुरक्षा इंतज़ामों से भी वंचित है जो भारत के किसी सामान्य हवाई अड्डे में होते हैं। यहां न कोई विमान यातायात नियंत्रण केंद्र है, न रडार प्रणाली और न ही मौसम की त्वरित निगरानी की व्यवस्था। पायलट केवल दृश्य संकेतों और रेडियो संपर्क के सहारे इस दुर्गम और उच्च हिमालयी क्षेत्र में उड़ान भरते हैं, जिससे हर यात्रा एक जोखिम बन जाती है। 2025 में 10 दिनों में तीन हादसे (8, 12, 17 मई) इस बात का प्रमाण हैं कि सुरक्षा प्रणाली चरमरा चुकी है। खराब हेलीपैड और अपर्याप्त मौसम निगरानी ने जोखिम को और बढ़ाया है। वर्ष 2025 में मई-जून के दौरान छह सप्ताह में पाँच गंभीर घटनाएं हुईं, जिनमें दो जानलेवा दुर्घटनाएं भी शामिल थीं।

2022 की एक घातक दुर्घटना के बाद उत्तराखंड नागरिक उड्डयन विकास प्राधिकरण (UCADA) द्वारा मार्ग पर तीन निगरानी कैमरे लगाए गए और एक उड़ान उपयुक्तता निगरानी प्रणाली की शुरुआत की गई। लेकिन विमानन विशेषज्ञों का मानना है कि ये केवल प्रतीकात्मक उपाय हैं, जो अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा मानकों से बहुत पीछे हैं। हवाई दुर्घटना जांच ब्यूरो की रिपोर्ट में यह स्पष्ट किया गया कि केदारनाथ मार्ग पर मौसम का वैज्ञानिक पूर्वानुमान, उड़ान समन्वय की कोई केंद्रीय व्यवस्था या कोई वैधानिक नियंत्रण नहीं है। निजी कंपनियाँ अपने स्तर पर ही उड़ानों का प्रबंधन कर रही हैं, जिससे नियंत्रण की गंभीर कमी सामने आती है। इस बीच भारत मौसम विज्ञान विभाग (IMD) और UCADA के बीच प्रस्तावित समझौता-पत्र भी केवल फाइलों तक ही सीमित रह गया क्योंकि क्षेत्र में विमान यातायात नियंत्रण केंद्र न होने के कारण यह समझौता क्रियान्वित नहीं हो पाया। 2022 की दुर्घटना में मारे गए पायलट कैप्टन अनिल सिंह की पत्नी रमनजीत सिंह का बयान बेहद मार्मिक था। उन्होंने कहा कि उनके पति बिना रडार, बिना स्थल मानचित्रण और बिना मौसम जानकारी के उड़ा रहे थे। उनके अनुसार, यह कोई संयोग नहीं था, हर उड़ान एक दांव पर लगी बाज़ी थी। यह कथन इस बात को रेखांकित करता है कि यात्रियों और पायलटों की जान जोखिम में डालना केवल तकनीकी भूल नहीं, बल्कि एक बड़ी प्रशासनिक असफलता है।

चारधाम यात्रा मार्ग पर हेलीकॉप्टर हादसों की लंबी सूची रही है। इन घटनाओं के प्रमुख कारणों में घना कोहरा, खराब मौसम, तकनीकी खामियाँ, दृश्यता की कमी और ऊँचाई वाला जटिल स्थलचिह्न शामिल हैं। कई बार एक ही निजी कंपनी एक से अधिक दुर्घटनाओं में शामिल पाई गई है, जो चिंता का विषय है।उत्तराखंड सरकार की नीतियां, जो तीर्थयात्रियों की संख्या बढ़ाने पर केंद्रित हैं, हिमालय के नाजुक पारिस्थितिकी तंत्र को नष्ट कर रही हैं। हेलीकॉप्टर उड़ानें, जो सिटी बसों की तरह लगातार चल रही हैं, ध्वनि प्रदूषण और कार्बन उत्सर्जन को बढ़ा रही हैं। विशेष रूप से केदारनाथ यात्रा में, हेलीकॉप्टर वन्यजीव विहार के ऊपर से गुजरते हैं, जिससे वन्यजीवों को गंभीर नुकसान हो रहा है। इन उड़ानों की कंपन से ग्लेशियर अस्थिर हो रहे हैं, जिसके कारण बार-बार हिमस्खलन (अव्लांच) की घटनाएं हो रही हैं। गंगोत्री और केदारनाथ जैसे क्षेत्र, जो पहले से ही भूस्खलन और ग्लेशियर पिघलने से प्रभावित हैं, अनियंत्रित पर्यटन के दबाव में और बिगड़ रहे हैं। पर्यावरणीय प्रभाव के आकलन के बिना उड़ानों की बढ़ती संख्या जैव-विविधता को खतरे में डाल रही है।

हादसों की बढ़ती संख्या DGCA, उत्तराखंड सरकार, और हेलीकॉप्टर ऑपरेटरों की लापरवाही का परिणाम है। DGCA के ढीले नियम और अपर्याप्त निरीक्षण ने सिंगल-इंजन हेलीकॉप्टरों के उपयोग और खराब रखरखाव को बढ़ावा दिया। उत्तराखंड सरकार की अत्यधिक भीड़ को प्रोत्साहित करने वाली नीतियों ने हेलीकॉप्टर सेवाओं पर भारी दबाव डाला है।ऑपरेटर, मुनाफे की होड़ में, सुरक्षा मानकों की अनदेखी कर रहे हैं। कंपनियों पर वीआईपी और रसूखदार लोगों का दबाव भी है, जो प्राथमिकता की मांग करते हैं, जिससे हेलीकॉप्टर इंजनों और पायलटों को विश्राम का समय नहीं मिलता। यह थकान और तकनीकी खराबी हादसों का प्रमुख कारण है।

अब समय आ गया है कि राज्य सरकार और नागरिक उड्डयन विभाग इस विषय को गंभीरता से लें। तीर्थ यात्रियों की आस्था को सुरक्षा की मजबूत आधारशिला प्रदान की जाए। केदारनाथ, सिरसी और फाटा में स्थायी विमान यातायात नियंत्रण इकाइयाँ स्थापित की जानी चाहिए। रडार कवरेज, त्वरित मौसम सूचना केंद्र और उड़ानों का केंद्रीकृत नियंत्रण कक्ष बनाना नितांत आवश्यक है। पर्वतीय उड़ानों के लिए पायलटों को विशेष प्रशिक्षण मिलना चाहिए और हेलीकॉप्टरों की नियमित तकनीकी जांच अनिवार्य होनी चाहिए।

(साभार : यह लेखक के निजी विचार हैं)

मानव का गुण है विश्वास व शैतान का गुण है शंका।
- विविध

आज का इतिहास

- 1576: अकबर और महाराणा प्रताप के बीच हल्दीघाटी का युद्ध शुरू।
- 1758: फ्रेंच जनरल बुस्सी ने निजाम सलाबत जंग से जाने की इजाजत ली।
- 1812: अमेरिका के तत्कालीन राष्ट्रपति जेम्स मेडिसन ने ब्रिटेन के खिलाफ युद्ध की घोषणा की।

1815: वाटरलू के युद्ध में नेपोलियन बोनापार्ट को हार का सामना करना पड़ा।

- 1941: तुर्किये ने नाजी जर्मनी के साथ शांति समझौते पर हस्ताक्षर किए।
- 1956: हिन्दू उत्तराधिकार अधिनियम पारित।
- 1972: ब्रिटिश यूरोपियन विमान-548 दुर्घटनाग्रस्त। विमान में सवार 118 लोगों की मौत।
- 1979: अमेरिका और सोवियत संघ के बीच हथियार नियंत्रण समझौता।
- 1987: एम एस स्वामीनाथन को पहला वर्ल्ड फूड प्राइज मिला।
- 1997: कंबोडिया के खमेर रूज का नेता और 20 लाख से अधिक लोगों का हत्यारा माओवादी पोलपोट का आत्मसमर्पण।
- 1999: 35 यूरोपीय देशों के बीच लंदन में पेयजल समझौते पर हस्ताक्षर। लातविया में वाइके फ्रेबरेमा को देश का नया राष्ट्रपति चुना गया।
- 2001: तालिबान ने संयुक्त राष्ट्र अमेरिका के खिलाफ लादेन का फतवा रद्द किया।
- 2004: चाड के सैनिकों ने 69 सूडानी मिलिशियाई को मार गिराया।
- 2008: फार्मा कम्पनी रैनबैक्सी ने अमेरिका फार्मा कम्पनी फाइजर के साथ पेटेंट विवाद को एक समझौते के तहत समाप्त किया।

निशाना

ले के रहेंगे जोखिम !

-कृष्णेन्द्र राय

कर रहे प्रयोग फिर।
पाना नया मुकाम ।।
आ रहीं हैं कब से।
अड़चनें तमाम ।।
करना अलग हट कर।
चलना अलग राह ।।
हो रहा ना वह कुछ।
जिसकी हमको चाह ।।
बुन रहे हम सपने।
है कुछ कर दिखाना ।।
ठान लिया इस बार।
देखेगा ज़माना ।।
ले के रहेंगे जोखिम।
करना है सुधार ।।
बार बार ये हमको।
हार नहीं स्वीकार ।।

अधिकारी मुख्यालय पर रहें और निर्धारित समय पर कार्यालय में उपस्थित हों : कमिश्नर

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

कमिश्नर कृष्ण गोपाल तिवारी ने मंगलवार को संभागीय समय सीमा की बैठक में सभी अधिकारियों को हिदायत दी कि वे मुख्यालय में अनिवार्यतः रहे। कमिश्नर ने कहा कि जिन अधिकारियों का मुख्यालय निर्धारित है वह अपने मुख्यालय में ही निवासरत रहे और अपने अधीनस्थ अधिकारी एवं कर्मचारियों को भी मुख्यालय में रहने के निर्देश जारी करें। कमिश्नर ने कहा की अधिकारी एवं कर्मचारी बिना सक्षम अनुमति के मुख्यालय से बाहर न जाएं। श्री तिवारी ने कहा कि सभी अधिकारी एवं कर्मचारी निर्धारित समय से 5 मिनट पहले अपने कार्यालय पहुंचे। कमिश्नर ने सभी अधिकारियों को निर्देश दिए कि वह अनुशासन का पालन करें। उन्होंने कहा कि सभी शासकीय अधिकारी शासन की छवि को प्रतिपादित करते है अतः सभी अधिकारी एवं कर्मचारी समय पर कार्यालय आए।

बैठक में अनुपस्थित रहने वाले कर्मचारियों को शोकाज नोटिस जारी करने के निर्देश

कमिश्नर श्री तिवारी ने संभागीय समय सीमा की बैठक मे अनुपस्थित रहने पर एसी ईआर ईएस एवं एसी लोक निर्माण विभाग को कारण बताओं नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। साथ ही कलेक्टर कार्यालय के शिकायत शाखा प्रभारी को शिकायतों का निराकरण समय सीमा में न करने पर कारण बताओं नोटिस देने के निर्देश दिए। कमिश्नर ने बैठक में विभिन्न विभागों के लंबित प्रकरणों की समीक्षा की साथ ही उन्होंने निर्देश दिए की क्योंकि अभी निर्वाचन का समय समाप्त हो चुका है अतः निर्वाचन कार्यालय में संलग्न शिक्षक को कार्य मुक्त कर उन्हें उनके मूल स्कूल में पदस्थ किया जाए।

कमिश्नर ने निर्देश दिए की सभी स्कूल बसों की चेकिंग प्राथमिकता से की जाए इसके लिए उन्होंने जिला शिक्षा अधिकारी को सभी स्कूल के प्राचार्य एवं संचालन कर्ताओं से लिखित में बसो की संख्या एवं बस के ड्राइवर के लाइसेंस के संबंध में जानकारी भिजवाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी स्कूल इस आशय का प्रमाण पत्र दें कि उनके यहां कितनी स्कूल बस संचालित हैं और ड्राइवर का लाइसेंस है कि नहीं साथ ही फिटनेस एवं बसो की बीमा की जानकारी भी देना सुनिश्चित करें। कमिश्नर ने जिला परिवहन अधिकारी को निर्देश दिए कि वह जिला स्तरीय सड़क सुरक्षा समिति की बैठक शीघ्र ही आयोजित करें। उन्होंने जिला खनिज अधिकारी को निर्देश दिए कि वह अवैध खनिज के उत्खनन परिवहन एवं भंडारण पर प्रभावी कार्रवाई करना सुनिश्चित करें। जिला खनिज अधिकारी ने बताया कि अब तक अवैध खनिज उत्खनन परिवहन एवं भंडारण के 32 प्रकरणों पर कार्रवाई की गई है, साथ ही डंपर व ट्रैक्टर ट्राली भी जप्त की गई है। साथ ही उक्त कार्य में संलग्न लोगों पर 32 लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया गया है।

कमिश्नर ने नगरी विकास के प्रभारी संयुक्त संचालक को निर्देश दिए की वह नर्मदापुरम संभाग के 21 नगरी निकायों में नाली और नाले की सफाई के कार्य बारिश से पूर्व कराना सुनिश्चित करें। कमिश्नर ने नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि अभी भी कई स्थानों पर नालो और नालियों की सफाई नहीं हो रही है ऐसे में बारिश में आम जनता को दिक्कत का सामना करना पड़ सकता है।

संभागायुक्त ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से कलेक्टर्स को दिये निर्देश

बारिश से पूर्व नवीन बाढ़ प्रभावित स्थान चिन्हित कर लिए जाएं

- जल गंगा संवर्धन अभियान में संभाग के सभी जिले टॉप - 03 में रहे
- विभागीय ट्रांसफर की फाइल ई ऑफिस के माध्यम से ही भेजी जाए

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

नर्मदापुरम संभाग कमिश्नर कृष्ण गोपाल तिवारी ने नर्मदापुरम संभाग के हरदा बैतूल एवं नर्मदापुरम जिले के कलेक्टर को निर्देश दिए की वर्षा पूर्व बाढ़ से बचाव के लिए वे सभी तैयारी सुनिश्चित कर लें। साथ ही नवीन बाढ़ प्रभावित स्थानों को भी प्राथमिकता से चिन्हित करे। नवीन एवं पुराने बाढ़ प्रभावित स्थान पर बाढ़ से बचाव के लिए सभी संभावित उपाय भी सुनिश्चित किए जाएं। कमिश्नर ने निर्देश दिए की बारिश में सड़क दुर्घटना को रोकने के लिए भी सभी आवश्यक उपाय सुनिश्चित किए जाएं। उन्होंने सड़कों की मरम्मत, क्षतिग्रस्त पुल पुलियों की मरम्मत करने के निर्देश दिए। साथ ही कहा कि महत्वपूर्ण पुल पुलिया एवं मार्गों पर दिशा संकेतक अनिवार्य रूप से लगाये जाए। उन्होंने जिला कमांडेंट होमगार्ड को सभी आवश्यक उपकरणों के साथ तैयारी सुनिश्चित रखने के निर्देश दिए। कमिश्नर श्री तिवारी ने सभी कलेक्टर को निर्देश दिए कि वह विभागीय एवं जिले के अंदर होने वाले सभी ट्रांसफर की फाइल ई ऑफिस सिस्टम के माध्यम से ही भेजना सुनिश्चित करें।

कमिश्नर श्री तिवारी ने जल गंगा अभियान की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए की हरदा बैतूल एवं नर्मदापुरम जिले में चल गंगा अभियान के अंतर्गत जो कार्य किये जा रहे हैं, उन कार्यों को और तेजी से पूर्ण किया जाए। उन्होंने कहा कि नर्मदापुरम, हरदा और बैतूल जिला प्रदेश में टॉप-03 में रहे। उन्होंने

कहा कि अभी अभियान समाप्त होने में 13 से 14 दिन बाकी है , इस अवधि में और अतिरिक्त मेहनत कर सभी जिले टॉप-03 में आने का प्रयास करें।

कमिश्नर श्री तिवारी ने नजूल लीज नवीनीकरण के अंतर्गत अब तक हुई प्रगति की समीक्षा की। बताया गया की नर्मदापुरम में 40 प्रकरण लीज नवीनीकरण के दर्ज किए गए हैं। कमिश्नर ने निर्देश दिए की सभी नजूल अधिकारियों को लीज नवीनीकरण के संबंध में एवं रजिस्ट्रेशन के संबंध में आवश्यक जानकारियां रहे। साथ ही सभी नजूल अधिकारी लीज नवीनीकरण के प्रकरण ढूंढे और उनका रजिस्ट्रेशन कराए। उन्होंने डायवर्सन के सभी प्रकरणों में मुआवजा राशि प्राथमिकता से देने के निर्देश दिए। साथ ही कहां की सरकारी अस्पताल, स्कूल, कॉलेज एवं अन्य भवन निर्माण में शासकीय भूमि के आवंटन में अनावश्यक विलंब ना हो। जहां आवश्यकता है वहां वहा कलेक्टर शासकीय भूमि आवंटित करें। उन्होंने कहा कि किसी भी स्थिति में विकास के कार्य न रुके। कमिश्नर ने सभी एसडीएम के रीडर की आईडी पर लंबित प्रकरणो पर नाराजगी व्यक्त की और निर्देश दिए कि किसी भी स्थिति में प्रकरण लंबित न रहे। उन्होंने कहां की डायवर्सन से लेकर राजस्व के सभी प्रकरण ऑनलाइन रहे, कोई भी प्रकरण ऑफलाइन ना रहे।

कमिश्नर ने सड़क दुर्घटनाओं में घायल व्यक्तियों को राहत राशि देने के प्रकरण की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए की ऐसे प्रकरण पुलिस अधीक्षक से प्राप्त कर राहत राशि देना सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि हिट एंड रन केस में भी राहत राशि देने का प्रावधान है अतः दो प्रकार की सड़क दुर्घटनाओं में घायल होने पर राहत राशि प्राथमिकता से घायल व्यक्ति को मिलनी चाहिए। उन्होंने सड़क सुरक्षा समिति की बैठक के पालन प्रतिवेदन को पोर्टल पर अपलोड करने के निर्देश दिए। साथ ही निर्देश दिए की सभी लोगों के समग्र आई डी की ई-केवाईसी की जाए। उन्होंने सभी कलेक्टर्स को निर्देश दिए कि वह संयुक्त परामर्शदात्री समिति की बैठक आयोजित करे और बैठक में प्राप्त कर्मचारियों के लंबित समस्याओं का निराकरण करें। उन्होंने जनजातीय कार्य विभाग की वन अधिकार समिति की बैठक भी शीघ्र ही आयोजित करने के निर्देश दिए और कहां की अनुसूचित जाति व अनुसूचित जनजाति के लिए गठित जिला समिति की बैठक भी जल्द ही आयोजित कर लंबित प्रकरणों का निराकरण किया जाए।

उन्होंने प्रधानमंत्री शहरी आवास के प्रस्ताव शासन को भिजवाने के निर्देश दिए। कमिश्नर ने अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 21 जून की व्यापक स्तर पर तैयारी करने के भी निर्देश दिए और कहां की एक पेड़ मां के नाम अभियान में आम जनता को एक पेड़ अपनी मां के नाम लगाने के लिए प्रेरित किया जाए। उन्होंने वर्षा काल की तैयारी के संबंध में आवश्यक निर्देश देते हुए कहा कि नालों और नालियों की सफाई ठीक तरह से कर दी जाए ताकि बारिश में पानी का बहाव ना हो।

कमिश्नर ने कहां की कलेक्टर सभी जिला शिक्षा अधिकारी और स्कूल के प्राचार्य गणो को निर्देश दे कि वे दसवीं उत्तीर्ण छात्र-छात्राओं को आईटीआई में प्रवेश लेने के लिए प्रेरित करें। उन्होंने कहा कि आईआईटी महाविद्यालय में सभी सीटे प्राथमिकता से भरी जाएं और महिला सीट भी खाली ना रहे। उन्होंने जल जीवन मिशन के अंतर्गत किए जा रहे हैं सभी कार्य समय सीमा में करने के निर्देश दिए और कहां की किए गए कार्यों की एंट्री पोर्टल पर अनिवार्य रूप से की जाए। कमिश्नर ने सभी कलेक्टर्स को निर्देश दिए कि वह फीश पार्लर हेतु स्थान का चिन्हांकन कर फिश पार्लर स्थापित करने के लिए शीघ्र ही कार्यवाही करें। कमिश्नर ने अवगत कराया की 10 बाय 10 के एरिया में 5 लाख रुपए की लागत से फीश पार्लर बनाए जाने हैं। कमिश्नर ने डीएलसीसी एवं बीएलसीसी की बैठक भी शीघ्र ही आयोजित करने के निर्देश दिए।

कमिश्नर ने निर्देश दिए की 19 जून से हो रही मूंग पंजीयन की सभी आवश्यक तैयारियां पूर्ण कर ली जाए। उन्होंने सभी कलेक्टर्स को निर्देश दिए कि निलंबित कर्मचारियों के अपील प्रकरण में कलेक्टर से मांगे गए अभिमत को समय सीमा में भेजा जाए। वीडियो कांफ्रेंस के दौरान नर्मदापुरम कलेक्टर श्री सोनिया मीना, बैतूल कलेक्टर श्री नरेंद्र सूर्यवंशी, हरदा कलेक्टर श्री सिद्धार्थ जैन ऑनलाइन एवं उपायुक्त राजस्व श्री गणेश जायसवाल, संयुक्त आयुक्त विकास श्री जी सी दोहर ऑफलाइन उपस्थित थे।

जनसुनवाई में 88 आवेदन आए, समाधान के दिए निर्देश

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

मंगलवार को कलेक्ट्रेट कार्यालय में जनसुनवाई कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें सिटी मजिस्ट्रेट बृजेंद्र रावत ने अधिकारियों के साथ जनसामान्य की समस्याओं पर गंभीरता से सुनवाई कर उनका निराकरण किया। जनसुनवाई में आए 88 आवेदनों पर सुनवाई की गई। उन्होंने संबंधित विभागों के अधिकारियों को प्राप्त आवेदनों का शीघ्र निराकरण करने के निर्देश दिए। साथ ही पिछली जनसुनवाई में आए आवेदनों के निराकरण की स्थिति की जानकारी भी ली। जनसुनवाई तहसीलदार देव शंकर धुर्वे, सहित अन्य सभी विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे.

प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार 2025 हेतु 31 जुलाई तक आवेदन आमंत्रित

नर्मदापुरम। महिला एवं बाल विकास मंत्रालय, भारत सरकार ने प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार वर्ष 2025 के लिए आवेदन आमंत्रित किए हैं। यह पुरस्कार उन बच्चों को सम्मानित करने के लिए दिया जाता है जो बहादुरी, खेल, सामाजिक सेवा, विज्ञान और प्रौद्योगिकी, पर्यावरण, और कला और संस्कृति के क्षेत्र में राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता के योग्य हैं। तत्संबंध में जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास नर्मदापुरम ने बताया कि 5 वर्ष से अधिक और 18 वर्ष से कम आयु का बच्चा जो भारतीय नागरिक है और भारत में रहता है पुरस्कार के लिए पात्र होगा। आवेदन ऑनलाइन राष्ट्रीय पुरस्कार पोर्टल https://awards.gov.in पर जमा किए जा सकते हैं। स्व-नामांकन और सिफारिशें दोनों पर विचार किया जाएगा। ऑनलाइन आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि 31 जुलाई 2025 है। पुरस्कार के संबंध में विस्तृत जानकारी राष्ट्रीय पुरस्कार पोर्टल https://awards.gov.in पर उपलब्ध है। बच्चे और उनके अभिभावक पोर्टल पर जाकर विस्तृत जानकारी प्राप्त कर सकते हैं और ऑनलाइन आवेदन जमा कर सकते हैं।

माखननगर की कुरेशा बी को मिला दिव्यांगजन पेंशन का लाभ

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

विभाग सहित प्रशासनिक अधिकारियों का किया हृदय से धन्यवाद

दिव्यांगजन पेंशन योजना राज्य सरकार की एक महत्वपूर्ण सामाजिक सुरक्षा योजना है, जिसका उद्देश्य दिव्यांगजनों को आर्थिक रूप से सक्षम बनाना और उन्हें सम्मानजनक जीवन जीने का अवसर प्रदान करना है। ऐसा ही मामला है नर्मदापुरम जिले के माखन नगर निवासी दिव्यांग महिला कुरेशा बी का जिन्हें दिव्यांगजन कल्याण पेंशन का लाभ तकनीकी बाधा – ई-केवाईसी (आधार सत्यापन) पूर्ण न होने के कारण प्राप्त नहीं हो पा रहा था, जिससे उन्हें आर्थिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था। कुरेशा बी ने अपनी समस्या को लेकर संयुक्त कलेक्टर एवं उपसंचालक, सामाजिक न्याय एवं निशक्तजन कल्याण विभाग, मती संपदा सराफ

को आवेदन प्रस्तुत किया। विभाग ने इस आवेदन पर संवेदनशीलता दिखाते हुए त्वरित कार्यवाही की, और उनका ई-केवाईसी पूर्ण कर उन्हें योजना का लाभ फिर से उपलब्ध कराया गया। पेंशन मिलने पर कुरेशा बी ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए सामाजिक न्याय एवं निशक्तजन कल्याण विभाग सहित प्रशासनिक अधिकारियों का हृदय से धन्यवाद ज्ञापित किया। उन्होंने कहा कि समय पर की गई इस सहायता से उन्हें आर्थिक रूप से बहुत राहत मिली है।

संभाग स्तरीय सतर्कता, सलाहकार एवं अनुश्रवण समिति की बैठक 20 को

नर्मदापुरम । अनुसूचित जाति, जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम अंतर्गत दर्ज प्रकरणों की संभाग स्तरीय सतर्कता, सलाहकार एवं अनुश्रवण समिति की समीक्षा बैठक आयोजित की गई है। उक्त बैठक संभागायुक्त नर्मदापुरम श्री कृष्ण गोपाल तिवारी की अध्यक्षता में 20 जून को सायं 04 बजे से कार्यालय आयुक्त नर्मदापुरम के सभाकक्ष में आयोजित की जाएगी।

विमान दुर्घटना के मृतकों को दी श्रद्धांजलि

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

स्थानीय नेहरू पार्क में सामाजिक समरसता राष्ट्रीय एकता मंच के सदस्यों ने उपस्थित होकर अहमदाबाद में प्लेन दुर्घटना गोवा में नाव दुर्घटना पुणे में ब्रिज दुर्घटना एवं केदारनाथ में हेलीकॉप्टर दुर्घटना के तहत मृत लोगों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए 2 मिनट का मौन धारण किया एवं परमपिता परमेश्वर से प्रार्थना की सभी मृत्यु को प्राप्त लोगों को बैकुंठ में स्थान प्राप्त हो एवं परिवार को इस गहन दुख को सहने की शक्ति दे श्रद्धांजलि सभा में संस्था के संरक्षक कृपाल सिंह राजपूत अध्यक्ष अरुण दीक्षित अशोक दीवोलिया कार्यकारी अध्यक्ष मोहम्मद अकरम खान लखन रघुवंशी जय शंकर तिवारी के एन त्रिपाठी ललित मोहन यादव बद्री प्रसाद कौरव डॉ प्रदीप जैन अनूप दुबे अमित यादव डॉ मयंक तोमर रोहित शर्मा जय वाला निगम आरके जोशी सहित अन्य सदस्य उपस्थित हुए.

मुख्यमंत्री उत्कृष्टता पुरस्कार के आवेदन 15 जुलाई तक आमंत्रित

सीहोर। जिले में नवाचार एवं उत्कृष्ट कार्य करने वाले शासकीय सेवकों को मुख्यमंत्री उत्कृष्टता पुरस्कार के लिए आवेदन 15 जुलाई तक आमंत्रित है। कलेक्टर बालागुरू के. ने गत दिवस जिले के सभी विभाग प्रमुखों को निर्देश दिये है कि जिला अधिकारी अपने-अपने विभाग के नवाचार एवं उत्कृष्ट कार्य करने वाले शासकीय सेवकों को मुख्यमंत्री उत्कृष्टता पुरस्कार के आवेदन के लिए प्रेरित करें। जिनने पुरस्कार के विज्ञापन में वर्णित कार्यक्षत्रों के अंतर्गत पहल एवं नवाचार किया है, उनको पुरस्कार के आवेदन के लिए प्रेरित किया जाए।

मेट्रो एंकर सीएम ने बेलखेड़ा से डीबीटी के माध्यम से हितग्राहियों को किया सहायता राशि का वितरण

संबल योजना के 192 हितग्राहियों को 4.26 लाख ट्रांसफर किए

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव द्वारा जबलपुर जिले के ग्राम बेलखेड़ा (बरगी) में आयोजित कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री जनकल्याण (संबल) योजना की अनुग्रह सहायता योजना के हितग्राहियो को सिंगल क्लिक द्वारा डी0बी0टी0 के माध्यम से नर्मदापुरम जिले में 192 हितग्राहियो को 4,26,00,000/- रुपये की राशि वितरित की गई है। जिसमें जनपद पंचायत माखननगर,

जनपद पंचायत बनखेडी, जनपद पंचायत नर्मदापुरम, जनपद पंचायत केसला, जनपद पंचायत पिपरिया, जनपद पंचायत सिवनीमालवा, जनपद पंचायत सोहागपुर, नगर पालिका नर्मदापुरम, नगर पालिका इटारसी, नगर पालिका पिपरिया, नगर पालिका सिवनीमालवा, नगर पालिका माखननगर, नगर पालिका बनखेडी, नगर पालिका सोहागपुर, पचमढी केन्ट के कुल 192 हितग्राहियो को 4,26,00,000/- रूपये की राशि का भुगतान किया गया है। कार्यक्रम का प्रसारण एनआईसी कक्ष में किया गया है.

बाल एवं किशोर श्रम अधिनियम के उल्लंघन पर 5 हज़ार की राशि अध्यारोपित

नर्मदापुरम। आईटीआई रोड पर निर्माणाधीन भवन में किशोर श्रमिक की सूचना प्राप्त होने पर जिला टास्क फोर्स नर्मदापुरम द्वारा निमार्णाधीन स्थल का निरीक्षण गत दिवस को बाल एवं किशोर श्रम अधिनियम के अंतर्गत किया गया। निरीक्षण के दौरान अधिनियम अंतर्गत धारा 12 एवं 3(ए) का सारांश प्रदर्शित नहीं पाया गया। जिस हेतु संस्थान आर्ची कन्स्ट्रक्शन को सूचना पत्र जारी किया गया। प्रकरण में अधिनियम अंतर्गत प्रश्मन की कार्यवाही की जाकर संस्थान पर राशि रु. 5 हजार अध्यारोपित किया गया। संस्थान द्वारा उक्त राशि का डी.डी. बाल एवं पुनर्वास कोष में जमा कराया गया। उक्त कार्यवाही में श्रम निरीक्षक सरिता साहू, जनशिक्षक संतोष कुमार तनेजा, सामाजिक कार्यकर्ता मलखान यादव, महिला एवं बाल विकास एवं सचचींद्र चौरे जिला प्रभारी एक्सिस टू जस्टिस नर्मदापुरम शामिल रहे।

कलेक्टर ने मुख्यमंत्री की लंबित घोषणाओं की समीक्षा कर जायजा लिया

विदिशा , दोपहर मेट्रो

विदिशा जिले में मुख्यमंत्री जी के प्रवास दौरान की गई घोषणाओं पर संबंधित विभागो के द्वारा त्वरित कार्यवाही की गई हैं। कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता ने मुख्यमंत्री जी की लंबित घोषणाओं की अद्यतन स्थिति का जायजा लिया है। कलेक्ट्रेट के बेतवा सभागार में आयोजित उक्त समीक्षात्मक बैठक में अपर कलेक्टर श्री अनिल कुमार डामोर, जिला पंचायत सीईओ श्री ओपी सनोडिया के अलावा संबंधित विभागो के जिलाधिकारी मौजूद रहे।

बैठक में अब तक पूर्ण कराई गई घोषणाओं के परिपालन में संबंधित विभागो के द्वारा की गई सम्पूर्ण कार्यवाही की जानकारियां सांझा की गई। इसके अलावा धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व, परिवहन, खेल एवं युवा कल्याण, लोक स्वास्थ्य और परिवार कल्याण, नगरीय विकास एवं आवास, लोक निर्माण, पंचायत और ग्रामीण विकास, जल संसाधन, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय, उच्च शिक्षा और उद्यानिकी तथा खाद्य प्रसंस्करण से संबंधित लंबित घोषणा के परिपालन में विभाग के माध्यम से अब तक की गई कार्यवाहियों की अद्यतन जानकारियां संबंधित विभाग के अधिकारी द्वारा प्रस्तुत की गई है।

कलेक्टर श्री गुप्ता ने कहा कि जिले में अनेक जगह मेलो का आयोजन किया जाता है जो अतिप्राचीन है जिसमें उदयपुर और मानोरा मेला का जिक्र करते हुए संस्कृति विभाग से आयोजन हेतु बजट की मांग प्रेषित करने के निर्देश दिए है। वहीं जिले के दूरस्थ लटेरी तहसील में निजी वाहनो के साथ-साथ शासकीय बसों के संचालन हेतु किए जाने वाले प्रबंधो के संदर्भ में जिला परिवहन अधिकारी को आवश्यक कार्यवाहियां सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए है। वहीं लटेरी तहसील के आनंदपुर में महाविद्यालय खोले जाने हेतु उच्च शिक्षा विभाग के द्वारा घोषणा के परिपालन में अद्यतन जानकारियां प्रस्तुत की गई है। विदिशा नगरपालिका को नगर निगम के मापदण्डो अनुसार की जाने वाली तैयारियों की भी जानकारियां सांझा की गई है।

विधायक की शिकायत के बाद जागे अधिकारी

नगरीय प्रशासन विभाग की टीम ने वार्ड 10 के नाले की जांच-पड़ताल की

अगर नगरी क्षेत्र में किए गए निर्माण कार्यों की जांच कराई जाए तो भ्रष्टाचार की पोल भी खुल सकती है

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

नगर पालिका परिषद के द्वारा करोड़ रुपए की राशि से शहरी क्षेत्र में नालों का निर्माण करवाया जा रहा है। समय रहते नगर पालिका के जिम्मेदारियां ने गुणवत्ता के साथ काम करवाने पर ध्यान नहीं दिया नगर पालिका के इंजीनियर से तो पूरा काम ठेकेदार के भरोसे छोड़ दिया था उसी का नतीजा है कि हल्की सी बारिश में नाले की दीवार गिर गई थी गुणवत्ता पर सवाल खड़े हो रहें विधायक की शिकायत के बाद नगर परिषद की टीम जांच करने आई है उसने अपनी रिपोर्ट तैयार की है उसके बाद कार्रवाई होगी या नहीं यह तो होने वाली दिनों में ही पता चलेगा देर शाम को टीम ने जांच पड़ताल की वही नगर में नालों का काम गुणवत्ता के साथ कार्य नहीं करवाया जा इस वजह से कई जगह से क्षतिग्रस्त भी हो रहा है वाटर लेवल का भी ध्याननहीं रखा गया है मटेरियल भी घटिया क्वालिटी का उपयोग किया गया इस वजह से इसकी पोल कई बार खुल चुकी है। पिछले दिनों विधायक उमाकांत शर्मा ने नगरी प्रशासन विभाग के आयुक्त को शिकायत करके वार्ड नंबर 10 मैं बन रहे नाला की जांच करवा कर कर दोषियों करवाई तथा कार्य गुणवत्ता साथ काम करवाने के लिए शिकायती पत्र भेजा था इसके नागरी प्रचार विभाग की टीम वार्ड नंबर 10 में छतरी नाके से लेकर कस्टम पंथ तक जो नाला बनाया गया है उसकी गुणवत्ता देखने के लिए मंगलवार को देर शाम मौके पर पहुंची आसपास के कुछ लोगों से भी बातचीत की लोगों ने बताया की गुणवत्ता के साथ काम नहीं हुआ है नाले का वाटर लेवल सही नहीं है अधूरा काम छोड़ दिया जांच अधिकारियों नाले की क्वालिटी एवं मटेरियल के संबंध में जानकारी ली दूसरी ओर जांच टीम के अधिकारियों ने कहा कि नगरीय प्रशासन विभाग आयुक्त के निर्देश पर नाला निर्माण की जांच करने आए है रिपोर्ट बनाकर वहीं पर देंगे अभी हम जांच कर रहे हैं जांच के बाद ही कुछ कह पाएंगे इससे पहले पहले बिना मानसून की बरसात में ही नाले की दीवाल गिर गई थी उसके बाद स्थानीय अधिकारियों को भी घटिया निर्माण को लेकर विधायकने फटकार लगाई थी वहीं गुणवत्ता के साथ तो किसी भी नाले का काम नहीं हुआ है। विधायक की शिकायत तथा मीडिया मामला आने के बाद संबंधित ठेकेदार अधूरा काम छोड़कर सामान बटोर कर चला गया है। इस कारण से बरसात के दिनों मे आसपास के लोगों को परेशान पानी निकासी की दिक्कत भी होगी दूसरी ओर तत्कालीन अधिकारियों ने गुणवत्ता के साथ समय रहते कार्य करवाने पर ध्यान नहीं दिया इस वजह से ऐसे हालात बने हैं। नगर पालिका इंजीनियर के तो बिल्कुल भी ध्यान नहीं दिया खुली छूट ठेकेदार दे दी थी उसी का नतीजा आज सबके सामने है। ठेकेदार ने अपने हिसाब से काम करने के नाम लीपापोती कर दिया उसकी सजा अब नगर वासियों को उठानी पड़ेगी विधायक की शिकायतों के बाद नगरी नगरी प्रशासन विभाग की टीम जांच के बाद संबंधित ठेकेदार तथा लापरवाही करने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों पर कार्रवाई करेगी या फिर कार्रवाई के नाम पर खानापूर्ति करके मामले को रफा दफा कर कर करके औपचारिकता कर देगी एवं ठेकेदार ने नाले का काम अधूरा छोड़ दिया है वहां कार्य होगा या नहीं। इसके अलावा नगरी क्षेत्र बना रहे सब की जांच कराई जाए तो भ्रष्टाचार की पोल भी खुल सकती है।

प्रतिबंधित पॉलीथिन का उपयोग करने वालों पर नगर पालिका ने की कार्रवाई

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

सिंगल यूज पॉलिथीन के उपयोग पर प्रतिबंध लगा हुआ है। जिसको लेकर ब नगर पालिका के अधिकारी ,कर्मचारी व्यापारी बंधुओ ,दुकानदारों को समझाएं दे चुके इसके बाद भी सिंगल यूज पॉलिथीन का उपयोग करके उसमें सामान देने का कार्य किया जा रहा है। ऐसे दुकानदारों पर एसडीएम और सीएमओ के निर्देश पर मंगलवार को नगर पालिका के दल ने करवाई करते हुए प्रतिबंधित पॉलीथिन को जप्त किया जुर्माना भी वसूल भविष्य मे पॉलिथीन नहीं रखना कि समझाएं भी दी गई। नगर पालिका प्रशासन की कार्रवाई की जानकारी लगते ही थोक में इसको बेचने वालों में हड़कंप मच गया ।इनके खिलाफ प्रशासन कार्रवाई नहीं कर पा रहा है इस वजह इसका उपयोग बंद नहीं हो रहा है। यह पॉलिथीन मवेशियों के लिए घातक होती है खाने उनकी की कई बार मौत भी हो जाती है। वहीं नगर पालिका सीएमओ रामप्रकाश साहू ने बताया कि प्रतिबंधित पॉलीथिन का उपयोग करने वालों फर निरंतर कार्रवाई की जा रही पहले समझाईं दी थी अब जप्त कर रहे हैं और जुर्माना भी लगा रहे हैं। हमारा प्रयास प्रयास है कि कोई भी व्यापारी भाई इस पालिथीन का उपयोग ना करें साथ ही हम नगर वासियों से भी सहयोग चाहते है वह इस पानी में सामान ना खरीदें सभी के सहयोग से इस काम को हम पूर्ण कर पाएंगे।

कुपोषण से मुक्ति हेतु विशेष अभियान

विदिशा। विदिशा जिले में कुपोषण से मुक्ति हेतु विशेष अभियान चलाया जा रहा है। कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता की पहल पर कुपोषित बच्चों को गोद लेने की प्रक्रिया क्रियान्वयन की जा रही है। इसके लिए महिला एवं बाल विकास द्वारा गुगल आन लाइन के माध्यम से कोई भी व्यक्ति स्वेच्छा से अपने नजदीक का कुपोषित बच्चा को गोंद लेकर उसे तीन माह तक सुपोषण किट गोद लेने वाले अपनी ओर से प्रदाय कर सकते हैं। इसके अलावा विभाग का अमला चिंहित ऐसे सभी बच्चों पर विशेष ध्यान दें रहा है। अभियान का उददेश्य कुपोषित तथा अतिकुपोषित बच्चों की पहचान कर उन्हें कुपोषण से मुक्ति दिलाना है।

एसडीएम ने पैक्स सोसाइटी का औचक निरीक्षण किया

विदिशा , दोपहर मेट्रो

बासौदा एसडीएम श्री विजय राय ने आज, पैक्स सोसाइटी घटेरा का औचक भ्रमण किया। यहां उन्होंने समिति के कार्यों की पंजियों का जायजा लिया। अवगत कराया गया कि समिति में 750 किसान पंजीकृत हैं। पिछले खरीफ सीजन में लगभग 390 कृषकों द्वारा 150 मेट्रिक टन खाद का उठाव किया गया था। वर्तमान में लगभग 200 कृषकों के द्वारा में 110 मेट्रिक टन खाद का उठाव हो चुका है। वर्तमान स्थिति अनुसार 60 मेट्रिक टन खाद की मांग है, जिसमें मुख्यतः डीएपी की मांग कृषकों द्वारा की जा रही है। समिति पर वर्तमान में केवल 27 टन एनपीके उपलब्ध है। संपूर्ण वितरण की कार्यवाही पीओएस मशीन के माध्यम से की जा रही है। वितरण सुचारू रूप से संचालित किया जा रहा है।

जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत आयोजित की जा रही हैं अनेक गतिविधियां

सीहोर। कलेक्टर बालागुरू के. के निर्देशानुसार जिलेभर में जल संरक्षण के उद्देश्य से चलाए जा रहे जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत जल संरक्षण संबंधी गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। इसी क्रम में ग्राम कराड़िया भील एवं नयापुरा सहित अनेक ग्रामों में डगवेल रिचार्ज का निर्माण कराया जा रहा है ताकि वर्षा के अधिक से अधिक जल का संरक्षण किया जा सके। उल्लेखनीय है कि जिले मे 30 जून तक जल गंगा संवर्धन अभियान चलाया जाएगा। इसके तहत जिले भर में जल संरक्षण से संबंधित अनेक गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं।

धरती आबा अभियान तहत ग्रामीण क्षेत्रों में लाभ संतृप्ति शिविरों का आयोजन हुआ

विदिशा , दोपहर मेट्रो

धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान अंतर्गत धरती आबा अभियान जागरूकता और लाभ संतृप्ति शिविरो का आयोजन विदिशा जिले में किया जा रहा है जो 30 जून तक जारी रहेगा। धरती आबा योजना के तहत आज मंगलवार को दो विकासखण्डो के छह ग्रामो में एक साथ शिविरो का आयोजन किया गया था जारी शेड्यूल अनुसार बासौदा विकासखण्ड के पांच ग्राम बैदकचैडा, त्योंदा, करीमपुर, दैलवाडा, बरमढी और लटेरी के ईसागढ में शिविर आयोजित किए गए थे। ग्राम त्योंदा, करीमपुर में धरती आबा शिविर में ग्रामीणों से चर्चा कर उनकी समस्याएं सुनी गईं। समाधान हेतु संबंधित विभागों को निर्देशित किया गया है। मौके पर आयुष्मान कार्ड, बैंक खाता खोलना, आधार कार्ड, पात्रता पर्ची, जाति प्रमाण पत्र बनाने तथा अन्य योजनाओं में लाभ दिए जाने हेतु कार्यवाही की गई है। कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता ने धरती आबा अभियान के तहत आयोजित होने वाले शिविरो के उद्धेश्यो की प्राप्ति के लिए ग्रामवार नोडल अधिकारी नियुक्त किए है जिन ग्रामो में शिविर आयोजित हो रहे हैं उनमें राजस्व, जनपद, खाद्य विभाग, स्वास्थ्य, पशु चिकित्सा, कृषि, लीड बैंक, भू-अभिलेख, सामाजिक न्याय, महिला एवं बाल विकास, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, ऊर्जा, पंचायत एवं ग्रामीण विकास और नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा विभाग सहित कुल 13 विभागो के अधिकारी हरेक शिविर में मौजूद रहकर लाभ संतृप्ति में अहम भूमिका निभा रहा है।

जनसुनवाई में कलेक्टर ने नागरिकों की समस्याओं का किया निराकरण

रायसेन। कलेक्ट्रेट कार्यालय स्थित सभाकक्ष में मंगलवार को कलेक्टर अरूण कुमार विश्वकर्मा द्वारा नागरिकों की समस्याओं पर सुनवाई करते हुए उनका निराकरण किया गया। कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने कुछ प्रकरणों में संबंधित अधिकारियों को शीघ्र आवश्यक कार्यवाही कर समस्याओं को निराकृत करने के निर्देश दिए। उन्होंने जिले की विभिन्न तहसीलों से आए नागरिकों की समस्याओं की सुनवाई करते हुए वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से संबंधित अधिकारियों को शीघ्र समाधान हेतु निर्देशित किया। साथ ही विकासखण्ड स्तर पर प्राप्त होने वाले आवेदनों को गंभीरतापूर्वक निराकृत करने के लिए कहा जिससे कि नागरिकों को अपनी समस्याओं के समाधान हेतु जिला मुख्यालय पर ना आना पड़े।

मेट्रो एंकर आईजा के प्रतिनिधि मण्डल ने राज भवन पहुचकर राज्यपाल से की मुलाकात

आईजा के प्रतिनिधिमंडल ने प्रतिचिन्ह भेंट कर राज्यपाल का किया सम्मान

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

ऑल इंडिया जैन जर्नलिस्ट एसोशिएसन आईजा के राष्ट्रीय अध्यक्ष हार्दिक हुंडिया के नेतृत्व में आईजा के एक प्रतिनिधि मण्डल ने भोपाल राज भवन पहुचकर मध्यप्रदेश के महामहिम राज्यपाल मंगू भाई छगन भाई पटेल से मुलाकात की। इस अवसर पर प्रतिनिधि मण्डल में आईजा के राष्ट्रीय महामंत्री महावीर श्रीश्रीमाल,आईजा के प्रदेश अध्यक्ष एड. राजीव जैन सैनानी,पत्रकार आहान जैन आदि मौजूद रहें। तो वही प्रतिनिधि मण्डल ने प्रतिचिन्ह, भगवान श्रीराम नाम की पट्टी व हनुमान जी गदा भेंट कर महामहिम

जैन तीर्थ क्षेत्रो की रक्षा व प्रदेश भर में धार्मिक तीर्थ क्षेत्रो पर शराबबंदी को लेकर प्रतिनिधि मण्डल ने महामहिम राज्यपाल से की चर्चा

राज्यपाल का स्वागत सम्मान किया। साथ ही महामहिम राज्यपाल की उपस्थिति में आईजा के प्रदेश अध्यक्ष एडवोकेट राजीव जैन सैनानी ने आईजा के राष्ट्रीय अध्यक्ष हार्दिक हुंडिया एंव राष्ट्रीय महामंत्री महावीर श्रीश्रीमाल का भव्य सम्मान किया गया। इसी के साथ राष्ट्रीय अध्यक्ष

हार्दिक हुंडिया ने देशभर में आईजा के सर्वश्रेष्ठ मध्यप्रदेश के अध्यक्ष एडवोकेट राजीव जैन सैनानी का सम्मान किया और महामहिम राज्यपाल मंगू भाई छगन भाई पटेल का आर्शीवाद प्राप्त किया।

जैन तीर्थो क्षेत्रो की रक्षा को लेकर महामहिम राज्यपाल से विशेष चर्चा -

आईजा के प्रतिनिधि मण्डल ने महामहिम राज्यपाल मंगू भाई छगन भाई पटेल से कहा कि मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव द्वारा मध्य प्रदेश के कई तीर्थ क्षेत्रो पर शराबबंदी लागू की गई है। आईजा की मांग है कि पूरे प्रदेश के धार्मिक तीर्थ क्षेत्रो पर शराबबंदी पर पूर्ण रूप से प्रतिबंध लगाया जाए। साथ ही पूर्व में प्रदेश सरकार द्वारा घोषणा की गई थी कि जैन कल्याण बोर्ड का गठन किया जाएगा। उक्त जैन कल्याण बोर्ड का शीघ्र गठन करने की बात कही।

महामहिम ने पूछे अपने गांव के हाल चाल

आईजा के प्रतिनिधि मण्डल ने राष्ट्रीय अध्यक्ष हार्दिक हुंडिया,प्रदेश अध्यक्ष एडवोकेट राजीव जैन सैनानी,पत्रकार आहान जैन के साथ गुजराज के जिले नवसारी के ग्राम चिकली के निवासी आईजा के राष्ट्रीय महामंत्री महावीर श्रीश्रीमाल मौजूद रहें। वही लगभग 15 किमी दूर नवसारी में महामहिम राज्यपाल निवास करते है। जैसे ही महामहिम राज्यपाल ने महावीर श्रीश्रीमाल को देखा तो उनको अपने गांव की याद आ गई और दोनो ने आपस में मिलकर खुशी जाहिर की और एक दूसरे के अपने ग्राम के संबंध पुरानी बाते की और अपनी अपनी जानकारिया ली। इस मौके पर महावीर श्रीश्रीमाल द्वारा जीवदया के क्षेत्र में किए जा रहें उत्कृष्ट कार्यो को लेकर महामहिम ने शुभकामनाएं दी।

जूनागढ में स्थापित की गई दीपाली वेन के प्रतिमा

आईजा के राष्ट्रीय अध्यक्ष हार्दिक हुंडिया द्वारा गुजरात के जूनागढ में आदिवासी महिला गायक कलाकार एंव पदम श्री से सम्मानित दीपाली वेन आदिवासी की प्रतिमा स्थापित की गई। उक्त प्रतिमा को हार्दिक हुंडिया ने स्वंय अपने खर्चे से बनवाकर जूनागढ के चौराहा पर स्थापित की। यह बात जब महामहिम राज्यपाल ने सुनी तो उन्होने बडी खुशी जाहिर की। साथ ही इस विषय को लेकर महामहिम राज्यपाल व आईजा के राष्ट्रीय अध्यक्ष हार्दिक हुंडिया के बीच काफी देर तक चर्चा हुई।

हर्षित राणा इंग्लैंड में टीम इंडिया के साथ रुकेंगे मैनेजमेंट ने इंग्लिश पिच को देखते हुए फैसला लिया

लंदन। भारतीय तेज गेंदबाज हर्षित राणा को इंग्लैंड में टीम इंडिया के साथ टेस्ट सीरीज के लिए रुकने के लिए कहा गया है। वे पहले इंडिया %ए% का हिस्सा थे और इंग्लैंड लायंस के खिलाफ 2 मैचों में खेले थे। इसके अलावा, उन्होंने भारतीय टेस्ट टीम के खिलाफ एक इन्ट्रा-स्क्वॉड मैच भी खेला था। टीम मैनेजमेंट के हिसाब से राणा की गति और उछाल वाली गेंदबाजी इंग्लिश पिच पर फायदेमंद हो सकती है। हालांकि, उन्हें अभी तक टेस्ट स्क्वॉड में शामिल नहीं किया गया है। भारतीय टीम को 20 जून से इंग्लैंड के खिलाफ 5 टेस्ट मैचों की सीरीज खेलनी है। पहला मुकाबला हेडिंग्ले, लीड्स में खेला जाएगा। यह दौरा 4 अगस्त तक चलेगा।

राणा ने हाल ही में भारत ए के लिए इंग्लैंड लायंस के खिलाफ पहले मैच में 27 ओवर में 1 विकेट लेकर 99 रन दिए थे और 16 रन बनाए थे। उन्होंने फर्स्ट क्लास क्रिकेट में 27.79 की बॉलिंग औसत से 13 मैचों में 48 विकेट लिए हैं। इसके अलावा, उन्होंने बल्लेबाजी में भी अच्छा प्रदर्शन किया है, जिसमें एक शतक और दो अर्धशतक शामिल हैं।

बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी से डेब्यू

हर्षित राणा ने अपना टेस्ट डेब्यू पिछले साल ऑस्ट्रेलिया दौरे के दौरान किया था। बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में उन्होंने 2 टेस्ट मैचों में कुल 4 विकेट लिए, उनका औसत 50.75 रहा। हर्षित का सबसे अच्छा प्रदर्शन पर्थ में रहा, जहां उन्होंने 48 रन देकर 3 विकेट चटकाए। हालांकि, उन्हें इंग्लैंड के खिलाफ पांच टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए टीम में नहीं चुना गया है। आकाश दीप, अर्शदीप सिंह, प्रसिद्ध कृष्णा, जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज टीम के पेसर हैं।

सोफी डिवाइन का वनडे से संन्यास का ऐलान वर्ल्ड कप 2025 होगा आखिरी टूर्नामेंट

नई दिल्ली। न्यूजीलैंड विमेंस की कप्तान सोफी डिवाइन इस साल भारत और श्रीलंका में होने वाले वनडे वर्ल्ड कप के बाद इस फॉर्मेट से संन्यास ले लेंगी। हालांकि, वह टी-20 इंटरनेशनल क्रिकेट में खेलती रहेंगी। सोफी ने इसकी घोषणा मंगलवार को की। सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट लिस्ट आने से पहले संन्यास का किया ऐलान 35 साल की डिवाइन ने वनडे से अपने रिटायरमेंट का ऐलान न्यूजीलैंड की 17 महिला खिलाड़ियों की सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट लिस्ट के आने से एक दिन पहले किया है। वे अब सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट ग्रुप का हिस्सा नहीं होंगी। डिवाइन वर्ल्ड कप में टीम की कप्तानी करेंगी और इसके बाद घरेलू सीजन से पहले नई वनडे कप्तान चुनी जाएगी। 17 साल की उम्र में वनडे करियर की हुई थी शुरूआत डिवाइन का 19 साल का शानदार वनडे करियर 2006 में शुरू हुआ था।

शराब के नशे में फील्ड पर उतरे इन 4 खिलाड़ियों ने मचाया तूफान

लिस्ट में भारतीय क्रिकेटर विनोद कांबली भी शामिल

नई दिल्ली, एजेंसी

क्रिकेट को जेंटलमैन गेम कहा जाता है, लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि बहुत से ऐसे खिलाड़ी रहे हैं, जिन्होंने शराब के नशे में कई यादगार पारियां खेली हैं। अब आप कहेंगे की शराब पीकर मैदान पर कोई खिलाड़ी कैसे उतर सकता है। तो आइए आपको कुछ ऐसे खिलाड़ियों के किस्से सुनाते हैं जिन्होंने शराब के नशे में धमाकेदार पारी खेली।

विवियन रिचर्ड्स (वेस्टइंडीज)– वेस्टइंडीज के महान बल्लेबाज़ सर विवियन रिचर्ड्स ने एक काउंटी मैच में समरसेट के लिए खेलते हुए 130 रन बनाए थे। लेकिन इस दौरान वह भयंकर नशे में थे। इसका खुलासा उन्होंने खुद एक इंटरव्यू में किया था। उन्होंने बताया था कि एक रात पहले इंग्लैंड के इयान बॉथम के साथ काफी शराब पी थी, और अगली सुबह उन्हें गेंद भी साफ नजर नहीं आ रही थी।

एंड्रयू सायमंड्स (ऑस्ट्रेलिया)– ऑस्ट्रेलिया के ऑलराउंडर एंड्रयू सायमंड्स ने 2005 में बांग्लादेश के खिलाफ एक वनडे मैच के दौरान नशे में गेंदबाज़ी की थी। यह मामला तब काफी सुर्खियों में रहा था। सायमंड्स का करियर शराब से जुड़े विवादों से कई बार प्रभावित हुआ।

हर्शल गिब्स (दक्षिण अफ्रीका)

दक्षिण अफ्रीका के विस्फोटक ओपनर हर्शल गिब्स ने 2006 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे मैच में 175 रनों की पारी खेली थी। यह तब हुआ जब उन्होंने पूरी रात शराब पी रखी थी। इस मैच में दक्षिण अफ्रीका ने 434 रनों का विश्व रिकॉर्ड चेस किया था।

विनोद कांबली (भारत)

भारत के पूर्व बल्लेबाज़ विनोद कांबली ने एक इंटरव्यू में बताया था कि उन्होंने एक रणजी ट्रॉफी मैच में मुंबई के लिए शतक जड़ा था, जबकि वह मैच से एक रात पहले 10 पैग पी चुके थे। बाद में उनकी शराब की लत ने उनके करियर और स्वास्थ्य दोनों पर बुरा असर डाला।

टी-20 इंटरनेशनल में पहली बार तीन सुपर ओवर

नीदरलैंड्स ने नेपाल को हराया, तीसरे सुपर ओवर में नेपाल रन नहीं बना पाया

नई दिल्ली, एजेंसी

नीदरलैंड्स और नेपाल के बीच टी-20 ट्राई सीरीज के खेले गए मैच में जीत-हार का फैसला 3 सुपर ओवर के बाद हुआ। यह मैच आखिर में नीदरलैंड्स ने जीता। टी-20 इंटरनेशनल में ऐसा पहली बार हुआ। यह 41वां टी-20 इंटरनेशनल था, जिसमें जीत-हार का फैसला सुपर ओवर से हुआ। दरअसल नीदरलैंड्स, नेपाल और स्कॉटलैंड के बीच ट्राई सीरीज स्कॉटलैंड में खेली जा रही है। सोमवार को टूर्नामेंट का दूसरा मैच नीदरलैंड्स और नेपाल के बीच खेला गया।

नीदरलैंड्स ने 7 ओवर में 152 रन बनाए पहले बल्लेबाजी करते हुए नीदरलैंड्स ने 20 ओवर में 7 विकेट के नुकसान पर 152 का स्कोर बनाया। टीम के लिए तेजा निडामनुरु (35 रन, 37 गेंद) और विक्रमजीत सिंह (30 रन, 29 गेंद) बनाए। स्पिनर संदीप लामिछाने ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 4 ओवर में 18 रन देकर 3 विकेट लिए। कप्तान रोहित पौडेल ने 45 रन बनाए नेपाल ने 153 के टारगेट का पीछा करते हुए कप्तान रोहित पौडेल (48 रन, 35 गेंद) की शानदार पारी की बदौलत 20 ओवर में 8 विकेट पर 152 रन बनाकर स्कोर बराबर कर मैच टाई करा दिया। नीदरलैंड्स के लिए डेनियल डोरम (3/14) ने नियमित अंतराल पर विकेट लेकर मुकाबले को रोमांचक मोड़ पर पहुंचा दिया।

तीनों सुपर ओवर में क्या हुआ

पहला सुपर ओवर– पहले बल्लेबाजी करते हुए नेपाल ने एक विकेट खोकर 19 रन बनाए। जवाब में नीदरलैंड्स के मैक्स ओल्ल्डॉड और माइकल लेविट ने करन केसी के खिलाफ 19 रन बनाकर सुपर ओवर को भी टाई कर दिया।

दूसरा सुपर ओवर– इस बार नीदरलैंड ने पहले बल्लेबाजी की और एक विकेट के नुकसान पर 17 रन बनाए। नेपाल की ओर से बॉलिंग ललित राजवंशी ने किया। नेपाल के बैटर दीपेंद्र सिंह ऐरी और रोहित पौडेल बल्लेबाजी करने आए और 17 रन बना दिए। मुकाबला एक और सुपर ओवर की तरफ बढ़ गया।

तीसरा सुपर ओवर– तीसरे सुपर ओवर में नीदरलैंड्स के कप्तान ने ऑफ स्पिनर जैक लायन कैचेट को गेंद सौंपी। 21 साल के कैचेट ने शानदार प्रदर्शन करते हुए नेपाल को एक भी रन नहीं बनाने दिया। रोहित पौडेल और रुपेश सिंह को बिना रन बनाए वापस लौट गए। आखिर में माइकल लेविट ने संदीप लामिछाने की पहली ही गेंद पर छक्का मारकर नीदरलैंड्स को जीत दिलाई।

बॉलर्स में दीप्ति शर्मा चौथे नंबर पर

मंधाना आईसीसी वनडे रैंकिंग में नंबर-1 बैटर बनीं, 5 साल बाद टॉप पर पहुंचीं

नई दिल्ली, एजेंसी

आईसीसी की विमेंस वनडे बैटर्स रैंकिंग में भारत की स्मृति मंधाना टॉप पर पहुंच गई हैं। वे साउथ अफ्रीका की लौरा वोल्वार्ट और इंग्लैंड की नैटली सिवर ब्रंट को पीछे कर नंबर-1 पर पहुंचीं। मंधाना 5 साल बाद नंबर-1 बैटर बनीं, वे 2019 में आखिरी बार इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज खत्म होने के बाद टॉप पर पहुंची थी। बॉलर्स की वनडे रैंकिंग में ऑफ स्पिनर दीप्ति शर्मा चौथे नंबर पर बरकरार हैं। वे टी-20 रैंकिंग में दूसरे नंबर पर हैं। दीप्ति दोनों फॉर्मेट की ऑलराउंडर रैंकिंग में भी टॉप-4 के अंदर मौजूद हैं। मंधाना टी-20 में चौथे नंबर-4 कउउ ने मंगलवार को विमेंस प्लेयर रैंकिंग अपडेट की। मंधाना ने 1 स्थान की छलांग लगाई, वे 727 पॉइंट्स के साथ टॉप पर पहुंचीं। सिवर-ब्रंट भी 1 स्थान ऊपर पहुंचीं, वे और वोल्वार्ट 719 पॉइंट्स के साथ दूसरे नंबर पर कायम हैं। टॉप-10 बैटर्स रैंकिंग में भारत से और किसी भी प्लेयर को जगह नहीं मिली। जेमिमा रोड्रिग्ज 15वें और हरमनप्रीत कौर 16वें नंबर पर मौजूद हैं। टी-20 बैटर्स रैंकिंग में भी मंधाना को छोड़कर भारत की कोई बैटर टॉप-10 में शामिल नहीं है। मंधाना चौथे नंबर पर हैं। ऑस्ट्रेलिया की बेथ मूनी, वेस्टइंडीज की हेली मैथ्यूज और ऑस्ट्रेलिया की ही ताहलिया मैक्ग्रा टॉप-3 पोजिशन पर कायम हैं।

टॉप-10 बॉलर्स में दीप्ति इकलौती भारतीय वनडे की टॉप-10 बॉलर्स में दीप्ति शर्मा चौथे नंबर पर हैं। इंग्लैंड की सोफी एक्लेस्टन, ऑस्ट्रेलिया की एश्ले गार्डनर और मेगन शट टॉप-3 पोजिशन पर हैं। इस रैंकिंग में भारत की अगली टॉप प्लेयर रेणुका सिंह हैं, जो 24वें नंबर पर बरकरार हैं। हालांकि, टी-20 बॉलर्स रैंकिंग में दीप्ति दूसरे तो वहीं रेणुका पांचवें नंबर पर हैं। दोनों ही फॉर्मेट की ऑलराउंडर्स रैंकिंग में कोई बदलाव नहीं हुआ। वनडे में एश्ले गार्डनर टॉप पर हैं, दीप्ति चौथे नंबर पर मौजूद हैं। वहीं टी-20 में हेली मैथ्यूज नंबर-1 और दीप्ति नंबर-3 पर हैं। टीम इंडिया दोनों फॉर्मेट में तीसरे नंबर पर दोनों ही फॉर्मेट की टीम रैंकिंग में भी बदलाव नहीं हुआ।

मनोरंजन

बॉलीवुड का कोना

धनकुबेरों की तिजोरी में सेंध लगाने वाले भिखारी बने धनुष, आमिर की फिल्म से लेंगे टक्कर

साउथ के पॉपुलर स्टार्स में गिने जाने वाले धनुष अपनी दमदार फिल्मों के लिए जाने जाते हैं। शुक्रवार को उनकी नई फिल्म कुबेर थिएटर्स में रिलीज होने जा रही है। इस फिल्म में धनुष एक भिखारी का रोल कर रहे हैं और उनका फर्स्ट लुक सामने आने के बाद से ही लोगों में फिल्म की कहानी जानने की काफी जिज्ञासा थी। अब कुबेर का ट्रेलर आ गया है जिसे देखने के बाद इस फिल्म में आपकी दिलचस्पी और बढ़ जाएगी। धनुष के साथ नागार्जुन, रश्मिका मंदाना और जिम सर्भ जैसे दमदार कलाकार भी इस फिल्म का हिस्सा हैं। कुबेर के ट्रेलर में फिल्म के प्लॉट का कुछ इशारा भर किया गया है और किरदारों की झलक दिखाई गई है। इन इशारों को जोड़ने पर जो कहानी बन रही है, वो किसी भी सिनेमा फैन को अपील करने का भरपूर दम रखती है। कुबेर का ट्रेलर जानेमाने तमिल एक्टर हरीश पेरादी से शुरू होता है जो एक पॉलिटिशियन के रोल में नजर आ रहे हैं। जिम सर्भ का रोल किसी सुपर-रईस उद्योगपति जैसा है। जहां हरीश ट्रेलर में ऑयल (पेट्रोलियम) के बिजनेस का जिक्र करते हुए इसे कुबेर का खजाना बता रहे हैं, वहीं जिम को वो खजाना चाहिए।

कुबेर के ट्रेलर में नागार्जुन - इसके बाद कहानी में एंट्री होती है नागार्जुन की, जो किसी बड़े सरकारी अधिकारी जैसे रोल में हैं। ट्रेलर से लगता है कि उनकी कोई पर्सनल जरूरत या एम्बिशन है जिसके लिए उन्हें पैसों की जरूरत है।

हेरा फेरी 3 में वापसी करेंगे परेश रावल! तकरार के बाद भी अक्षय को उम्मीद

परेश रावल का हेरा फेरी 3 से बाहर होना फिल्म फ्रेंचाइजी फैंस के लिए सबसे शॉकिंग न्यूज रही है। जिससे वो अभी तक उबर नहीं पा रहे हैं। उनके इस एग्जिट ने सभी को हैरान कर दिया था। परेश के इस फैसले को फैंस मानने से इनकार कर रहे हैं और उनसे लगातार वापसी करने की उम्मीद कर रहे हैं। वैसे अगर कहा जाए कि न सिर्फ फैंस बल्कि खुद अक्षय कुमार भी ऐसा चाहते हैं तो गलत नहीं होगा। हालांकि मामला कोर्ट में है लेकिन हाल ही में एक्टर इस बारे में बात की। उन्होंने उम्मीद जताई है कि सब ठीक हो ही जाएगा।

अक्षय ने पिंकविला को दिए इंटरव्यू में हेरा फेरी 3 को लेकर पहली बार चुप्पी तोड़ी। जब उनसे फिल्म की मौजूदा स्थिति के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने कहा कि जो कुछ हो रहा है, वो सबके सामने है। उंगलियां क्रॉस कर रखी हैं, उम्मीद है सब ठीक होगा। अक्षय ने आगे भरोसा जताते हुए कहा कि ÷सब कुछ ठीक ही होगा, मुझे पूरा यकीन है। मालूम हो कि परेश रावल के फिल्म छोड़ने के बाद मामला कानूनी मोड़ पर पहुंच गया, जब अक्षय कुमार की कंपनी ष्टड्डश्चद्ग ह्वद्ध त्नश्चस्र ष्टद्बठ्ठद्गद्वड्ड ने उन पर ?25 करोड़ का केस कर दिया। इसके बाद काफी कुछ हुआ। दोनों में अनबन की खूब बातें सामने आईं। वहीं परेश से ट्विटर पर पोस्ट कर यूजर्स ने उन्हें हीरो बताते हुए फिल्म में वापसी करने की मांग भी की। लेकिन परेश ने ये कहकर मना कर दिया कि वो हीरो नहीं हैं।

अक्षय-परेश में छिड़ा विवाद

अक्षय कुमार और परेश रावल के बीच चल रहा ये विवाद तब शुरू हुआ जब परेश रावल ने हेरा फेरी 3 से अलग होने का ऐलान कर दिया। लल्लनटॉप को दिए इंटरव्यू में परेश ने कहा था कि उनका मशहूर किरदार अब उनके लिए ÷गले का फंदा÷ बन गया था और अब वो कुछ नया करना चाहते हैं, एक ही तरह के किरदारों में नहीं बंधना चाहते। इसके बाद पता चला कि परेश ने फिल्म का प्रोमो शूट करने के बाद इससे हटने का फैसला किया। कहा गया कि उन्होंने फीस और क्रिएटिव डिफ्रेंस की वजह से ये कदम उठाया। लेकिन बातचीत से मामला न सुलझता देख अक्षय कुमार ने उन पर मुकदमा कर दिया। इसके जवाब में परेश ने साइनिंग अमाउंट के साथ ब्याज भी लौटा दिया, जिससे विवाद और गहरा गया।

रिपोर्ट में खुलासा: भारतीयों ने चॉकलेट, जेम और मीठे उत्पाद पर 6.60 लाख करोड़ खर्च किए

मेट्रो बाजार

नई दिल्ली। देश में समय के साथ लोगों की जीवनशैली और उपभोक्ता आदतों में बड़ा बदलाव आया है। सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकोनॉमी की ताजा रिपोर्ट इस बदलाव की गवाही दे रही है। रिपोर्ट के मुताबिक, साल 2023-24 में भारतीयों ने चॉकलेट, जेम और चीनी जैसे मीठे उत्पादों पर 6.60 लाख करोड़ रुपए खर्च किए, जबकि सब्जियों पर 5.95 लाख करोड़ और तेल व वसा जैसे आवश्यक खाद्य पदार्थों पर केवल 2.45 लाख करोड़ रुपए ही खर्च किए गए। सेमी के अनुसार, पिछले एक साल में तेल और वसा पर खर्च में 19.67त्न की गिरावट दर्ज की गई है। वहीं, दूसरी ओर चॉकलेट पर खर्च में 19.78त्न की बढ़त देखी गई है। यह ट्रेंड उपभोक्ताओं की प्राथमिकताओं में हो रहे बदलाव की ओर इशारा करता है।

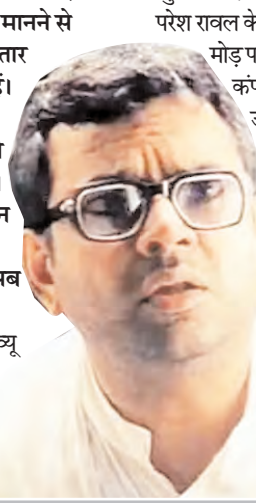

स्वास्थ्य और कुल उपभोक्ता खर्च में भी इजाफा– रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि स्वास्थ्य संबंधी खर्च में 18.75त्न की बढ़त हुई है। वहीं, कुल उपभोक्ता खर्च 9.72त्न बढ़कर 181.4 लाख करोड़ रुपए तक पहुंच गया है। यह डेटा साफ तौर पर दर्शाता है कि भारत में उपभोक्ताओं की प्राथमिकताएं बदल रही हैं। लोग अब पारंपरिक जरूरतों की तुलना में ज्यादा खर्च आरामदायक या स्वाद संबंधी वस्तुओं पर कर रहे हैं।

एनएसई में मंगलवार और बीएसई में गुरुवार होगा अनुबंधों की एक्सपायरी डेट

नई दिल्ली। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज को उसके इक्विटी वायदा-विकल्प अनुबंधों की समाप्ति तिथि मंगलवार निर्धारित करने के प्रस्ताव पर भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड की मंजूरी मिल गई है। वहीं, बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज के एफएंडओ अनुबंध अब गुरुवार को समाप्त होंगे। यह बदलाव मौजूदा एक्सपायरी व्यवस्था को उलट देगा, जिसमें अभी तक एनएसई के एफएंडओ अनुबंध गुरुवार और बीएसई के अनुबंध मंगलवार को समाप्त होते हैं।

सेबी ने दोनों एक्सचेंजों को दी अनुमति- दोनों एक्सचेंजों ने अलग-अलग परिपत्र जारी कर बताया कि उन्हें प्रस्तावित नई समाप्ति तिथियों पर सेबी की स्वीकृति मिल गई है। शेयर बाजारों ने कहा- ÷सेबी ने एनएसई के प्रस्तावित एक्सपायरी दिन (मंगलवार) और बीएसई के प्रस्तावित एक्सपायरी दिन (गुरुवार) को मंजूरी दी है।

1 सितंबर 2025 से लागू होगा नया नियम- नई समाप्ति तिथि की व्यवस्था उन सभी नए एफएंडओ अनुबंधों पर लागू होगी, जिनकी समाप्ति 1 सितंबर 2025 या उसके बाद होगी। हालांकि, 1 सितंबर से पहले समाप्त होने वाले मौजूदा अनुबंधों पर यह बदलाव लागू नहीं होगा और वे वर्तमान समय-सारिणी के अनुसार ही चलते रहेंगे। शेयर बाजारों ने यह भी स्पष्ट किया कि लंबी अवधि के सूचकांक विकल्प अनुबंध इस बदलाव से प्रभावित नहीं होंगे।

बीटेक छात्र ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

भोपाल। पिपलानी थाना क्षेत्र स्थित पटेल नगर मल्टी में टीआईटी कॉलेज से बीटेक की पढ़ाई कर रहे छात्र ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। उसके पास से सुसाइड नोट नहीं मिला है। पुलिस ने छात्र का मोबाइल जब्त किया है। पुलिस मोबाइल की जांच कर रही है। मंगलवार रात पन्ना से छात्र के परिजन भोपाल पहुंच गएथे। आज उनकी मौजूदगी में शव का पीएम कराया गया। शोकाकुल परिजन के बयान दर्ज नहीं किए जा सके हैं। जल्द ही पुलिस छात्र के दोस्तों और रूम पार्टनर से पूछताछ करेगी। पुलिस के अनुसार मुदित पटेरिया पिता कांताप्रसाद पटेरिया (23) मूलत- पन्ना का रहने वाला था और इन दिनों दोस्तों के साथ पटेल नगर मल्टी में रह रहा था। मुदित टीआईटी कॉलेज से बीटेक कर रहा था। मंगलवार सुबह करीब 11 बजे मुदित ने फांसी लगा ली। सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने मुदित का शव बरामद कर पीएम के लिए मर्चूरी भेज दिया। नहीं मिला सुसाइड नोट मामले की जांच कर रहे एएसआई अजय वाजपेयी ने बताया कि घटनास्थल का निरीक्षण किया गया था। कमरे की तलाशी और मृतक की तलाशी लेने पर सुसाइड नोट नहीं मिला है। मुदित की एक बहन है, जबकि वह परिवार का इकलौता बेटा था। पिता कर्मकांड करते हैं। घटना की जानकारी परिजन को दे दी गईथी। बुधवार को शव का पीएम कराने के बाद वह शव लेकर पन्ना के लिए निकल गए।

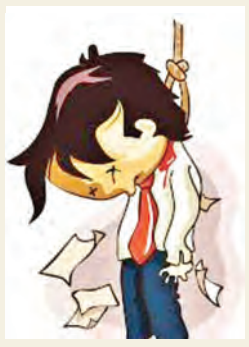

बुजुर्ग ऑटो चालक ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

भोपाल। शाहपुरा थाना क्षेत्र स्थित ईश्वर नगर, ई-8 में बुजुर्ग ऑटो चालक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। उनके पास से सुसाइड नोट नहीं मिला है। पुलिस ने शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया है। पुलिस आत्महत्या के कारणों का पता लगा रही है। पुलिस के अनुसार दिलीप सिंह तोमर (60) ईश्वर नगर, ई-8 में रहतेथे और आटो चलाते थे। मंगलवार सुबह करीब पांच बजे वह आटो लेकर रेलवे स्टेशन गएथे। वहां से सवारियां ढोने के बाद सुबह करीब 9 बजे घर लौट आए। घर लौटने के बाद वह अंदर वाले कमरे में चले गए थे। परिजन को लगा कि वह आराम कर रहे थे। जब वह कमरे से काफी देर तक बाहर नहीं आए तो परिजन उन्हें देखने कमरे में पहुंचे थे। इस दौरान पता चला कि उन्होंने टीनशेड के पाइप पर रस्सी का फंदा बनाकर फांसी लगा ली है। परिजन फंदे से उतारकर उन्हें अस्पताल ले गए, वहां डॉक्टर ने चेक करने के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया।

बैरसिया में जहरीला पदार्थ पीने से युवक की मौत

भोपाल। बैरसिया इलाके में रहने वाले एक युवक ने जहरीला पदार्थ पी लिया। परिजन उसे इलाज के लिए अस्पताल लेकर पहुंचे जहां उसकी मौत हो गई। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव का पीएम कराने के बाद लाश परिजन को सौंप दी है। फिलहाल जहर खाने के कारणों का खुलासा नहीं हो पाया है। जानकारी के अनुसार जगदीश पाल (45) ग्राम भौंरासा थाना बैरसिया में रहता था। वह खेती किसानी के साथ ही मजदूरी करता था। परिवार में पत्नी के अलावा तीन बच्चे हैं। सोमवार को जगदीश ने कोई जहरीला पदार्थ पी लिया। तबीयत बिगड पर परिजन उसे इलाज के लिए शासकीय अस्पताल बैरसिया लेकर पहुंचे जहां उसकी मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि मृतक के पास कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। घरवालों के बयान होने के बाद ही जहर खाने के सही कारणों का पता चल पाएगा।

पहले आरोपी के पक्ष में दिया बयान, 20 दिन बाद बदला

छात्रा को बाइक पर बैठाकर बैरसिया से लाया युवक, बंधक बनाकर दुष्कर्म

भोपाल, दोपहर मेट्रो

बैरसिया बस स्टैंड से 28 साल की पोस्ट ग्रेजुएट छात्रा को मोटरसाइकिल पर बिठाकर भोपाल ले जाने और कमरे में बंधक बनाकर तीन दिन तक दुष्कर्म करने का मामला सामने आया है। आरोपी परिचित है और दोनों के बीच मोबाइल पर चैटिंग होती थी। पीड़िता का कहना है कि आरोपी जबरन उसे मोटरसाइकिल पर बिठाकर ले गया था। छात्रा की तलाश करती हुई पुलिस सेमरा अशोका गार्डन पहुंची और युवती को बरामद कर लिया। आरोपी चकमा देकर भागने में कामयाब हो गया था।

करीब 20 दिन पहले युवती ने बयान में अपनी मर्जी से जाने की बात कही थी लेकिन कल सोमवार को पीड़िता अचानक थाने पहुंची और युवक के खिलाफ बंधक बनाकर बलात्कार करने समेत अन्य धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज करा दिया।

पुलिस के मुताबिक जिला विदिशा के एक गांव में रहने वाली 28 साल की युवती ने एमएससी तक पढ़ाई की है। फिलहाल वह अविवाहित है। विगत 25 मई को वह किसी कार्यक्रम में शामिल होने अपने भाई के साथ बैरसिया आई थी।

बस स्टैंड पर उसे प्रशांत मालवीय मिला और उसने युवती से कहा कि मेरे साथ भोपाल चलो। युवती ने साथ चलने से मना कर दिया। उस समय उसका भाई वहां मौजूद नहीं था। तब आरोपी प्रशांत ने उससे कहा कि यदि वह साथ नहीं चली तो वह उसे बदनाम कर देगा। उसके साथ की चैटिंग के मैसेज वायरल कर देगा। धमकी के डर से युवती उसकी मोटरसाइकिल पर बैठ गई।

युवक उसे बैरसिया से भोपाल ले आया और अशोका गार्डन थाना क्षेत्र स्थित सेमरा में एक कमरे में बंधक बना लिया। तीन दिन तक आरोपी ने युवती के साथ दुष्कर्म किया। इस बीच परिजनों ने पीड़िता के लापता होने के संबंध में बैरसिया थाने में गुमशुदगी दर्ज करा दी थी।

तकनीकी जानकारी व अन्य अहम साक्ष्यों को फॉलो करती हुई पुलिस सेमरा तक पहुंची और युवती को दस्तयाब कर लिया। प्रशांत मालवीय वहां से भागने में कामयाब हो गया था।

युवती ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

भोपाल। गुनगा थाना क्षेत्र स्थित जमाई मोहल्ला में मंगलवार रात एक युवती ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। उसके पास से सुसाइड नोट नहीं मिला है। पुलिस ने मर्गकायम कर शव पीएम के लिए मर्चूरी भेज दिया है। पुलिस के अनुसार अंकिता पाल पिता हेमसिंह पाल (18) जमाई मोहल्ला, गुनगा में रहती थी। वह कॉलेज की छात्रा थी। उसके पिता खेती किसानी करते हैं। अंकिता ने मंगलवार रात करीब आठ बजे अपने कमरे में फांसी लगा ली। नजर पड़ते ही परिजन उसे फंदे से उतारकर भानपुर स्थित निजी अस्पताल ले गए थे, वहां डॉक्टर ने चेक करने के बाद उसे मृत घोषित कर दिया।

20 दिन बाद बयान से पलटी पीड़िता

पुलिस ने जब युवती को दस्तयाब किया था जब उसने अपनी मर्जी से प्रशांत के साथ जाने की बात कही थी। क्योंकि पीड़िता बालिग थी इसलिए पुलिस ने उस समय कोई कार्रवाई नहीं की। लेकिन सोमवार 16 जून को युवती अचानक बैरसिया थाने पहुंची और आरोपी प्रशांत मालवीय के खिलाफ बंधक बनाकर बलात्कार समेत अन्य धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज करा दिया। युवती का कहना था कि आरोपी डरा-धमकाकर पुलिस का कहना है कि आरोपी विदिशा में पीड़िता के घर के पास ही रहता

60 साल के बुजुर्ग ने पत्थर से सिर फोड़कर की युवक की हत्या

शराब पीने के दौरान हुआ था विवाद, शराब पिलाने की जिद कर रहा था आरोपी

भोपाल, दोपहर मेट्रो

गुनगा के ग्राम भैंसखेड़ा में 15 जून की सुबह पत्थर से सिर व मुंह पर वार कर युवक की नृशंस हत्या के मामले में पुलिस गांव के ही 60 साल के एक बुजुर्ग को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि आरोपी युवक पर शराब पिलाने का दबाव बना रहा था। उसका कहना था कि तुम जमाने भर को शराब पिलाते हो लेकिन हमें मना कर देते हो। इसी बात को लेकर विवाद होने लगा और आरोपी ने गुस्से में उसने पास पड़ा पत्थर उठाकर उसके सिर व मुंह पर दे मारा। हत्या करने के बाद आरोपी अपने घर गया और खून से सने कपड़े बदलकर सामान्य रूप से गांव में घूमता रहा। पुलिस ने महज 36 घंटे में अंधेकत्ल का खुलासा करने का दावा किया है।

थाना प्रभारी हरिशंकर वर्मा के मुताबिक विगत 15 जून की सुबह ग्राम भैंसखेड़ा स्थित छप्पन महाराज स्थान के पास नीम के पेड़ के नीचे एक व्यक्ति का शव पड़े होने की सूचना मिली थी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और पंचनामा बनाकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक की पहचान गांव भैंसखेड़ा में रहने वाले अर्जुन सिंह ठाकुर पुत्र ज्ञान सिंह ठाकुर (30) के रूप में परिजनों ने की। उसके सिर व मुंह पर चोट के गंभीर घाव थे और खून बह रहा था।

विवेचना के दौरान मृतक के भाई माखन सिंह ने अपने बयान में बताया कि गांव के कालूराम उर्फ कल्लू ने उसे शव पड़े होने की जानकारी दी थी। आसपास के लोगों से पूछताछ और मुखबिरों से जानकारी मिली कि मृतक अर्जुन को आखिरी बार कालूराम के साथ देखा गया था। लिहाजा संदेह के आधार पर पुलिस ने कालूराम उर्फ कल्लू (60) निवासी ग्राम भैंसखेड़ा, को हिरासत में लेकर पूछताछ की। कालूराम ने अर्जुन की हत्या करना कुबूल कर लिया। उसने बताया कि अर्जुन अक्सर लोगों को शराब पिलाता है लेकिन उसे पिलाने से मना कर देता है।

इसी बात को लेकर विवाद बढने पर कालूराम ने पत्थर से अर्जुन के सिर व मुंह पर वार कर नृशंस हत्या कर दी। हत्याकांड को अंजाम देने के बाद उसने अपने खून से सने कपड़े बदल लिए और गांव में सामान्य रूप से घूमता रहा। पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर उसके घर से खून से सने कपड़े और घटनास्थल से पत्थर बरामद कर लिया है। थाना प्रभारी ने बताया कि आरोपी कालूराम गांव में अकेला रहता है। उसने शादी भी नहीं की है। बहुत पुराने चार-पांच अपराध पंजीबद्ध हैं।

नागपुर की ब्रांडेड मीठी सुपारी के नाम से नकली सुपारी बनाकर बेची

भोपाल, दोपहर मेट्रो

संचालक समेत दो के खिलाफ कॉपीराइट एक्ट का प्रकरण दर्ज

शाहजहांनाबाद पुलिस ने सोमवार शाम जैन मंदिर रोड एक दुकान व फैक्ट्री पर छापे की कार्रवाई कर ब्रांडेड नाम से नकली सुपारी का गुटखा बनाकर बेच रहे संचालक समेत दो के खिलाफ कॉपी राइट एक्ट समेत अन्य धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज किया है। पुलिस ने दुकान व फैक्ट्री सील कर दी है जबकि वहां हजारों रुपए के गुटखे के पाउच व अन्य सामान बरामद किया गया है। पुलिस के मुताबिक नागपुर महाराष्ट्र से मुरली कुकरेजा ने थाने आकर लिखित शिकायती आवेदन दिया कि उनकी कंपनी नंबर वन के नाम से मीठी सुपारी के नकली पाउच बनाकर बेचे जा रहे हैं। सूचना मिलते ही पुलिस ने योजनाबद्ध तरीके से जैन मंदिर रोड शाहजहांनाबाद स्थित केके के प्रोडक्शन संस्थान पर छापे की कार्रवाई कर दी। एक ही स्थान पर नकली गुटके का निर्माण और विक्रय किया जा रहा था। पुलिस ने संस्था के संचालक रामकिशन यादव और प्रोडक्शन कंट्रोलर हिमांशू वर्मा के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया है। घटना के बाद से संचालक रामकिशन यादव फरार हैं। एसआई माधव सिंह परिहार का कहना है कि नकली गुटका बनाने के लिए फैक्ट्री में लाखों रुपए की मशीनें लगाई गई हैं। सेंपलिंग के पुलिस ने करीब 20 हजार रुपए का माल जब्त कर जांच के लिए भेज दिया है।

मेट्रो एंकर बैरसिया पुलिस ने विदिशा के जंगल से पकड़ा

एक साल से फरार चोरी के 3 आरोपी गिरफ्तार

भोपाल, दोपहर मेट्रो

बैरसिया पुलिस ने दुकान में हुई चोरी के मामले में एक साल से फरार तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के पास से एक बुलेरो जीप तथा ताला तोड़ने का औजार बरामद किया गया है। पुलिस के मुताबिक फरियादी मोहन साहू सिलावटपुरा बैरसिया के रहने वाले हैं। उनकी भोपाल रोड पर दुकान है। पिछले साल मार्च 2024 में अज्ञात आरोपियों ने दुकान का ताला तोड़कर चोर सोयाबीन की बोरियां चोरी कर ली थी। घटनास्थल पर लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज चैक करने के बाद पुलिस ने इस मामले में आरोपी अन्नू कुशवाह उर्फ अनिकेत और राहुल अग्रवाल को गिरफ्तार किया था, जबकि तीन आरोपी फरार थे। फरार चल रहे आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस की एक विशेष टीम बनाई गई थी। इस बीच मुखबिर से मिली सूचना के बाद तीनों फरार आरोपियों को विदिशा जिले के जंगल इलाके से गिरफ्तार किया गया है। पकड़े गए आरोपियों के नाम संतोष कुशवाह, रितिक रैकवार और अमन रैकवार निवासी मोहनगिरी जिला विदिशा बताए गए हैं। आरोपियों के कब्जे से वारदात में प्रयुक्त बेलोरो जीप और ताला तोडने वाली लोहे की रॉड जब्त की गई है। फरार आरोपियों के गिरफ्तार करने में टीआई वीरेंद्र सेन, हेड कांस्टेबल रामेश्वर चौरसिया, आरक्षक संजय और एनआरएस टीम के सदस्यों की सराहनीय भूमिका रही है।

8 हजार स्कूलों की मान्यता पर खतरा आरएसके पहुंचकर किया प्रदर्शन

निजी स्कूलों ने आरएसके और भाजपा कार्यालय में सौंपा ज्ञापन, पोर्टल दोबारा खोलने की मांग

भोपाल, दोपहर मेट्रो

राजधानी स्थित राज्य शिक्षा केंद्र के बाहर निजीस्कूल स्कूलों ने जमकर प्रदर्शन किया। प्रदर्शन में आरटीई के तहत पढ़ने वाले छात्र और उनके अभिभावक भी शामिल हुए। स्कूल संचालकों का कहना है कि स्कूल शिक्षा विभाग की त्रुटिपूर्ण नीतियों के चलते प्रदेश के लगभग 8000 निजी स्कूलों की मान्यता रद्द होने की कगार पर है, जिससे ना सिर्फ़ हज़ारों छात्रों की पढ़ाई खतरे में पड़ जाएगी, बल्कि हजारों शिक्षक भी बेरोजगार हो सकते हैं। स्कूल संचालकों ने कहा कि यह सिर्फ़ स्कूलों की मान्यता का सवाल नहीं है, बल्कि हज़ारों छात्रों के भविष्य और शिक्षकों की रोज़ी-रोटी का भी मुद्दा है। ऐसे में सरकार और शिक्षा विभाग से यह अपेक्षा की जा रही है कि वो जल्द से जल्द इस मामले पर विचार करें और मान्यता बहाली की दिशा में सकारात्मक कदम उठाएं। प्रदर्शन में शामिल अभिभावकों का कहना है कि हमारे बच्चों की पढ़ाई अच्छे निजी स्कूलों में हो रही थी। अब अगर मान्यता खत्म होती है, तो उन्हें फिर से सरकारी स्कूल में शिफ्ट करना पड़ेगा, जिससे उनका भविष्य प्रभावित होगा। निजीस्कूल संचालकों ने मांग की है कि सभी निजी विद्यालयों को समान अवसर व न्याय मिले। आरटीई की सीटें पुनः बहाल की जाएं।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया संपादक आशीष दुबे*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022